नई दिल्ली। शुक्रवार, 02 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 267/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल श्रीलंका को 124 रनों से हराकर टीम इंडिया ...
@ विचार गांधी का पुनर्जन्म ही नहीं, गांधी-दृष्टि का पुनर्जागरण हो...
@ व्यापार सेंसेक्स 571 अंक गिरा: निफ्टी ऑटो में 3 प्रतिशत ...

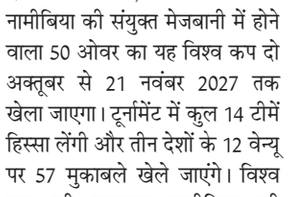
खबर झरोखा

फ्लाईदुबई घटना भले ही हमारे देश में नहीं हुई लेकिन करेंगे गहन जांच: यूएई



अबू धाबी। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में बड़ा हादसा होते-होते टला। विमान ने दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी लेकिन फिर क्रैश कराने की कोशिश के बीच रास्ता बदला गया और आखिरकार इसे सऊदी के तबूक में ही लैंड कराया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विमान गिराने की कोशिश करने वाला पायलट ओमान का था।

वंदे भारत एक्सप्रेस में आतंकी खतरे की मॉक ड्रिल



कोलकाता। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आतंकवाद-रोधी (सीटी) मॉक ड्रिल की। यह मॉक ड्रिल 28-29 सितंबर की रात को हुई। कोलकाता स्थित एनएसजी के 29 स्पेशल कम्पोजिट ग्रुप ने रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ), पश्चिम बंगाल स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), पश्चिम बंगाल पुलिस और राज्य अग्निशमन सेवा के साथ मिलकर यह अभ्यास किया।

शाह की अध्यक्षता में छग और ओडिशा की बैठक

महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा।

बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता,



संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भलीभांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन को साझी समृद्धि का माध्यम बनाना चाहिए। दोनों राज्यों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें जल उपलब्धता, आवश्यकता और उपयोग से संबंधित तथ्य पारदर्शी ढंग से साझा हों और वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिए जाएं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल से समाधान की उम्मीद

मुख्यमंत्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है।

उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज राज्यों के बीच वर्षों से लंबित विषयों को संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास भी सहकारी संघवाद और राष्ट्रीय एकता की इसी भावना को मजबूत करते हैं।

समंदर की लहरों में समा गए 8 छात्र



एजेंसी ■ नई दिल्ली

महाराष्ट्र के रायगढ़ में पिकनिक मनाने गए 8 छात्रों की मौत हो गई है. ये छात्र श्रीवर्धन तालुका के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दिवेआगर समुद्र तट पर घूमने पहुंचे थे. छात्र पुणे के आलंदी स्थित एक कॉलेज के हैं. ये हादसा पानी की गहराई और लहरों के तेज बहाव का सही अंदाजा न लग पाने के कारण हुआ. इस हादसे के बाद स्थानीय वाटर स्पोर्ट्स के मालिक और उनकी टीम ने जान पर खेलकर सभी 8 शवों को बाहर निकाला।

मिली जानकारी के मुताबिक, पुणे के आळंदी इलाके के एक कॉलेज के छात्र छुट्टियां मनाने और घूमने के लिए दिवेआगर आए हुए थे. समुद्र की लहरों का लुत्फ उठाने के लिए सभी छात्र पानी में उतरे थे. लेकिन, गहरे पानी और तेज बहाव का अंदाजा न होने के कारण 8 छात्र लहरों की चपेट में आकर बह गए और डूबने से उनकी जान चली गई.

कैसे किया रेस्क्यू ?

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों में हड़कंप मच गया. इसी बीच दिवेआगर के 'भाऊ मारुती सालुंखे महाकाली वाटर स्पोर्ट्स' के मालिक और उनके साथियों ने बिना एक पल की देरी किए समुद्र में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया. अपनी जान की परवाह किए बिना भाऊ सालुंखे और उनकी टीम ने अथक प्रयास के बाद सभी 8 छात्रों के शवों को समंदर से बाहर निकाला.

हादसे की भनक लगते ही दिघी सागरी बोर्ली पंचतन पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष आवटी अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी शवों को कब्जे में ले लिया है. पोस्टमार्टम और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए शवों को बोर्ली पंचतन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है।

अभिजीत दिपके ने फडणवीस सरकार को दी चुनौती, कहा- मुंबई आंदोलन से पहले करो गिरफ्तार

एजेंसी ■ मुंबई

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पर जुबानी हमला किया। उन्होंने राज्य सरकार को रणनीतिक गलतियां न करने की चेतावनी दी और अधिकारियों को चुनौती दी कि वे मुंबई में 2 अक्टूबर से होने वाले सीजेपी के प्रदर्शनों से पहले उन्हें गिरफ्तार



करके दिखाएं। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को हुई गलती को न दोहराएं। अगर आप हमें गिरफ्तार करना चाहते हैं, तो अभी करें।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 'देश का गद्दार' बताते हुए, दिपके ने वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर हेरफेर के आरोपों को लेकर उनके तुरंत इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन पर आरोप लगाया कि वह सरकार की मदद से लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर रहा है और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रहा है। दिपके ने इस बात पर जोर दिया कि जो भी मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर बैठे, उसे पारदर्शी होना चाहिए। देश भर में जिन 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, वे सड़कों पर उतरेंगे और जब वे ऐसा करेंगे, तो जनता ज्ञानेश कुमार के बॉस के इस्तीफे की मांग करेगी।

वनडे विश्वकप 2027 का ऐलान दो अक्तूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा।

2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा।



ग्रुप ए	ग्रुप बी
अफगानिस्तान	बांग्लादेश
ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
भारत	दक्षिण अफ्रीका
पाकिस्तान	श्रीलंका
जिम्बाब्वे	न्यूजीलैंड
क्वालिफायर-ए	क्वालिफायर-बी

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीम होगी।

क्वालिफायर-ए और क्वालिफायर-बी की टीमों के नाम बाद में तय होंगे। 2027 विश्व कप के लिए 10 टीमें सीधे अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, जबकि बाकी स्थान क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से तय होंगे।

भारत की चुनावी प्रक्रिया 'हाईजैक' और 'केंद्रीकृत' हो चुकी है: ममता बनर्जी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव प्रक्रिया को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को खुश करने के लिए 'हाईजैक' कर लिया गया है और 'केंद्रीकृत' कर दिया गया है। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को 'वैनिश कुमार' कहकर संबोधित किया और कहा कि जिसने नागरिकों के मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश की है, मैं उसे कैसे माफ कर सकती हूं? इसका फैसला भारत की जनता को करना है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि (अविभाजित) तृणमूल कांग्रेस द्वारा जीते गए क्षेत्रों में अधिक संख्या में नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम अदालतों में गए।

पीएम मोदी ने कैप्टन स्मित मच्छार को कहा हीरो, बोले- भारत को तुम पर गर्व है



एजेंसी ■ तेल अवीव

फ्लाईदुबई की फ्लाइट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर कॉकपिट में चाकू से हमला हुआ। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने यात्रियों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। पीएम मोदी ने कैप्टन मच्छार को हीरो कहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्लाईदुबई के भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की जमकर तारीफ की है। पीएम मोदी ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने दूसरों की जान बचाने के लिए अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया।

उन्होंने कहा कि उनकी बहादुरी ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। पीएम मोदी ने कैप्टन मच्छार के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छार एक हीरो हैं।'

तीर तेवर — सागर कुमार



सीजीपीएससी 2026 मेंस रिजल्ट, दोबारा जांच की मांग खारिज

बिलासपुर ■ सुरेश सिंह बैस

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सीजीपीएससी 2026 मेंस परीक्षा के रिजल्ट और उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच की मांग वाली दो याचिकाएं खारिज कर दी हैं। जस्टिस बीडी गुरु की कोर्ट ने कहा कि परीक्षा के नियमों में उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच का नियम नहीं है। याचिकाकर्ता भी मूल्यांकन में किसी खास गड़बड़ी को साबित नहीं कर पाए।

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि 26 नवंबर 2025 के विज्ञापन के आधार पर उन्होंने सीजीपीएससी मेंस परीक्षा दी थी। इसका रिजल्ट 31 अगस्त 2026 को जारी हुआ। 265 पदों के लिए 608 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए चुना गया। उनका कहना था कि नियम के अनुसार उम्मीदवारों को 1:3 के हिसाब से इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना चाहिए था।

याचिकाकर्ताओं ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच की मांग की। वहीं, पीएससी ने बताया कि नियमों के मुताबिक जनरल कैटेगरी के लिए कम से कम 33% और आरक्षित वर्ग के लिए 23% अंक जरूरी थे। केवल 608 अभ्यर्थी ही अपने वर्ग में तय अंक ला सके। इसलिए इन्हीं अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया



गया।

हाईकोर्ट: 1:3 के हिसाब से बुलाने की बात साबित नहीं

हाईकोर्ट ने पीएससी के शपथपत्र का हवाला देते हुए कहा कि इंटरव्यू के लिए उन्हीं कैंडिडेट्स को बुलाया गया, जिन्होंने विज्ञापन और नियमों के अनुसार न्यूनतम अंक हासिल किए थे। याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर पाए कि न्यूनतम अंक पाने वाले किसी अभ्यर्थी को इंटरव्यू से बाहर किया गया। इसलिए चयन प्रक्रिया में दखल देने का कोई आधार नहीं है।

पुनर्मूल्यांकन का नियम नहीं, सिर्फ शक पर आदेश नहीं

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के राम विजय सिंह मामले के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि शैक्षणिक मामलों में कोर्ट को विशेषज्ञों के मूल्यांकन में दखल देने से बचना चाहिए। कोर्ट खुद उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर सही उत्तर तय नहीं कर सकता।

मौजूदा नियमों में उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच का कोई प्रावधान नहीं है। जब तक मूल्यांकन में कोई साफ गड़बड़ी सामने न आए, सिर्फ कम अंक आने या शक के आधार पर दोबारा जांच का आदेश नहीं दिया जा सकता।

हाईकोर्ट ने कहा कि शैक्षणिक मामलों में कोर्ट को विशेषज्ञों के मूल्यांकन में दखल देने से बचना चाहिए।

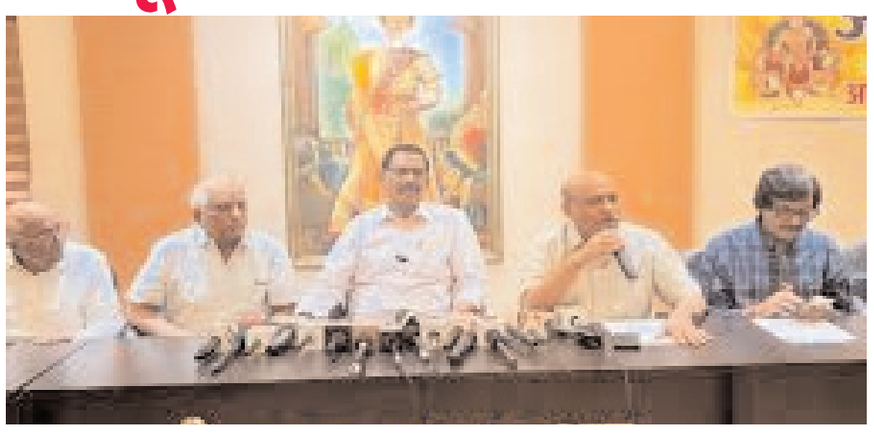
608 कैंडिडेट्स का इंटरव्यू टला

हालांकि, सीजीपीएससी ने राज्य सेवा परीक्षा-2025 के अगले चरण को स्थगित कर दिया है। आयोग ने तारीखें टालने की वजह नहीं बताई है। नई तारीख बाद में जारी की जाएगी। वहीं, इस पूरे विवाद को लेकर कांग्रेस ने परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। पार्टी ने रिजल्ट की स्थिति साफ करने और इंटरव्यू टालने की मांग की थी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा था कि पीएससी ने 265 पदों के लिए भर्ती निकाली थी। 1:3 के हिसाब से 795 कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए चयनित किया जाना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 608 अभ्यर्थी ही इंटरव्यू तक पहुंचे। आयोग का तर्क है कि 187 अभ्यर्थी न्यूनतम अंक हासिल नहीं कर पाए।

महाराजा अग्रसेन की 5180वीं जयंती 4 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक होंगे भव्य आयोजन

विश्व केसरी■



रायपुर। राजधानी रायपुर में महाराजा अग्रसेन की 5180वीं जयंती को लेकर अग्रवाल समाज में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस उपलक्ष्य में आगामी 4 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक आठ दिवसीय भव्य जयंती महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और सेवा से जुड़े कई विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। 11 अक्टूबर को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल रमेन डेका और अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे।

महोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इससे पहले रायपुर की 19 मोहल्ला समितियों में कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनके विजेता मुख्य आयोजनों में भाग लेंगे। अग्रवाल सभा ने जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार भी व्यक्त किया है। 4 से 11 अक्टूबर तक का पूरा कार्यक्रम 4 अक्टूबर (अग्राथॉन व स्वास्थ्य शिविर):-

सुबह 6 बजे मरीन ड्राइव से सर्वसमाज के लिए अग्राथॉन 'वंदे मातरम, रन फॉर नेशन' की शुरुआत होगी। इसी दिन श्री सालासर धाम (छेड़ीखेड़ी) में डॉ. कमलेश अग्रवाल के नेतृत्व में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा, जिसमें 60 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं देंगे। यहां पैथोलॉजी जांच, नेत्र परीक्षण और मुफ्त चश्मा वितरण किया जाएगा।

7 अक्टूबर (महोत्सव का उद्घाटन):-

श्री अग्रसेन धाम, छेड़ीखेड़ी में जयंती महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन होगा। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा सीएसआईडीसी अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल और रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा आज

विश्व केसरी■



रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा 2 अक्टूबर को राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में आयोजित होगा।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा के माध्यम से महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों और विचारों का स्मरण करते हुए समाज में शांति, प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और एकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के प्रति आदर और आपसी सौहार्द की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया जाएगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र यादव होंगे। राज्यसभा सांसद एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा ने नागरिकों से कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति प्रदान कर सर्वधर्म समभाव, शांति और राष्ट्रीय एकता के संदेश को सशक्त बनाने की अपील की है।उल्लेखनीय है कि 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाती है। दोनों महान विभूतियों के जीवन से सत्य, अहिंसा, सादगी, सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा

वृद्धावस्था बीमारी नहीं, जीवन का स्वाभाविक चरण

विश्व केसरी■



रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग के अंतर्गत संचालित जेरियाट्रिक यूनिट (Geriatric Unit) द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ एवं गरिमापूर्ण वृद्धावस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जागरूकता एवं स्वास्थ्य परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. देवप्रिया लकड़ा, डॉ. योगेंद्र मल्होत्रा एवं अन्य चिकित्सकों तथा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आमजन से अपील की गई कि वे अपने परिवार एवं समाज के वृद्ध सदस्यों के स्वास्थ्य पर नियमित ध्यान दें और उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को केवल 'बुढ़ापे का सामान्य हिस्सा' मानकर नजरअंदाज न करें। समय पर जांच, उचित उपचार, स्वस्थ जीवनशैली और परिवार का सहयोग वृद्धजनों को बेहतर एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. (प्रो.) योगेंद्र मल्होत्रा ने बताया कि वृद्धावस्था कोई बीमारी नहीं, बल्कि जीवन का एक स्वाभाविक चरण है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह के परिवर्तन होते हैं।

जिन्हें समझना और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करना बेहद जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से वृद्धजनों को कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाया जा सकता है तथा उनकी जीवन गुणवत्ता बेहतर की जा सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग, आप ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■



रायपुर। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे अभूतपूर्व हमले पर राजधानी रायपुर में राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत की राष्टपति महोदया के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश में सभी विधानसभा में ज्ञापन दिया जा रहा है। आप नेताओं ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, परंतु हालिया घटनाक्रमों से यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत का निर्वाचन आयोग अपनी संवैधानिक निष्पक्षता खो चुका है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा सत्ताधारी दल भाजपा के नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं के साथ मिलकर देश भर के 30 राज्यों में स्क्रूक (विशेष सघन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision) के नाम पर लगभग 13 करोड़ 47 लाख वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का गंभीर षड्यंत्र रचा गया है।

1. वर्ष 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी SIR की आड़ में बड़े पैमाने पर धांधली कर लाखों पात्र मतदाताओं के नाम गैर-कानूनी तरीके से काटे गए। इसी सुनियोजित साजिश के तहत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जी को चुनावी प्रक्रिया में नुकसान पहुंचाया गया। चुनाव के उपरांत आम आदमी पार्टी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयोग को इसके ठोस एवं पुख्ता सबूत सौंपे गए थे, परंतु आयोग ने इन सबूतों पर कोई निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय निष्क्रियता अपनाए रखी।

2. निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी पारदर्शी चुनाव कराने की है, परंतु वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार निष्पक्षता की सीमाओं को लांघकर सत्ताधारी दल के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने का माध्यम बन चुके हैं। इतने बड़े पैमाने पर मतदाताओं का मताधिकार छीनना लोकतंत्र के साथ सीधा खिलवाड़ है।

आम आदमी पार्टी की प्रमुख मांगें:

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तुरंत उनके पद से बर्खास्त किया जाए और उनके खिलाफ आपराधिक साजिश एवं लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के जुर्म में प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर तुरंत गिरफ्तारी की जाए।

2. SIR प्रक्रिया की उच्चस्तरीय जांच: 30 राज्यों में SIR के तहत काटे गए 13 करोड़ 47 लाख वोटों की निष्पक्ष और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराई जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से कैट छत्तीसगढ़ की टीम ने की सौजन्य भेंट

विश्व केसरी■

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) छत्तीसगढ़ की टीम ने उनके निवास स्थान पहुंचकर सौजन्य भेंट की तथा उनका कुशलक्षेम जाना।

शपथ पत्र

मैं पप्पू राम नाग पिता गोन्चू राम नाग उम्र 49 वर्ष निवासी धरमपुरा नं.1 अटल बिहारी बाजपेई वार्ड क्र 38 जगदलपुर तहसील-जगदलपुर, जिला-बस्तर छत्तीसगढ़ शपथपूर्वक निम्न कथन व्यक्त करता हूँ कि -

1) यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ।

2) यह कि मेरे नाम 5वी एवं 8वी व पासपोर्ट में पप्पूराम PAPPU RAM पिता गोन्चू अंकित हो गया है।

3) यह कि मेरे आधार कार्ड नं. 6142 2301 7843 व पेनकार्ड बैंक पासबुक मतदाता परिचय पत्र में पप्पू राम नाग PAPPU RAM NAG पिता गोन्चू राम नाग में अंकित है।

4) यह कि उक्त दोनों ही नाम वाला व्यक्ति मैं स्वयं हूँ।

5) यह कि यह शपथ पत्र पासपोर्ट व सभी शासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम पप्पू राम नाग PAPPU RAM NAG पिता गोन्चू राम नाग पढ़ा व लिखा जाने के समर्थन में प्रस्तुत हैं।

शपथकर्ता

पप्पू राम नाग

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणमाता, रायपुर: : -
Email ID rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35899...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35899
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652F0022C** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GIRIRAJ JHANWAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **SHYAM SUNDER JHANWAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ASHISH KUMAR GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SHIV SHANKAR GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
-:: शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35894...../ न. पा. नि.
जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35894
वार्ड का नाम 14-रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR220C00077** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURESH CHANAVAR** पिता/पति श्री श्रीमती **DAMODAR RAO CHANAVAR** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 1. श्रीमती संगीता गौतम पति श्री राम नारायण गौतम 2. श्री राम नारायण गौतम पिता - स्व. केशव रंजीत सिंह गौतम पिता/पति श्री श्रीमती** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
-:: शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35893...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35893
वार्ड का नाम - 14 - रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR220F00254** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. DINESH KUMAR** पिता/पति श्री श्रीमती **NANAMAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती भाविका पंजवानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री मनोज पंजवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
-:: शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35883...../ न. पा. नि.
जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35883
वार्ड का नाम 14 - रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR220F00223** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. PRAKASH** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती श्रीमती वर्षा ननवानी पिता/पति श्री श्रीमती स्व. प्रकाश ननवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
-:: शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35882...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35882
वार्ड का नाम 14-रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR220C00194** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DAMYANTI PITHALIYA AND KAILASHCHANDRA PITHALIYA S/O NARAYAN BHAI PITHALIY** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **SANJAY NACHRANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **Mr. MOHAN LAL NACHRANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
-:: शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35859...../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35859
वार्ड का नाम 26 - दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 26 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR109B00508** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **LAKHAN LAL PAL** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती कान्ति पाल पिता / पति श्री/श्रीमती पति स्व. लखन लाल पाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / shapath patr, adhar card, mrityu praman patr, sambandhit pepar nigam ta& copy / / / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणमाता, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /.... 35892...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35892
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR449H00070** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MOHAMMAD AZAZ** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE IBRAHIM HUSSAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती AKBAR KHAN पिता / पति श्री/श्रीमती **BASHIR KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ SHAPATH PATRA AND MALABA BIKRI NAMA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणमाता, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35835...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35835
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455O0097B** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHURI BAI / PUTALI BAI** पिता / पति श्री श्रीमती **CHANDU LAL YADAV /MILAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **LAXMINARAYAN YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती.. **CHANDU LAL YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /.. **SHAPATH PATRA DEATH CERTIFICATE /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणमाता, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35834...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35834
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR45500097A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHURI BAI/PUTALI ALI BAI/MILAN YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती **CHANDRA KANT / MILAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MOGRA BAI YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती.. **SHESHNARAYAN YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /**SHAPATH DEATH CERTIFICATE /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है. प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणमाता, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35836...../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35836
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455O00097** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHURI BAI / PUTALI BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **CHANDU LAL YADAV /MILAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SAVITRI YADAV** पिता / पति श्री/श्रीमती **SHIV KUMAR YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /.. **SHAPATH DEATH CERTIFICATE /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35833.... / न. पा. नि.
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35833
वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107B00018** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SURYA PRAKASH SINGH** पिता / पति श्री / श्रीमती **RAMKUMAR SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RAJAN JAISWAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE VASUDEV JAISWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35815.... / न. पा. नि.
जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35815
वार्ड का नाम - 16वीर शिवाजी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107E00041** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHAKUNTLA SONKUSALE** पिता / पति श्री/श्रीमती **SURESH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **SANDHYA WATKAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O LATE SUDHIR WATKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ

ऊर्जा सुरक्षा में नौसेना की अहम भूमिका, चिप उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर फोकस : जितिन प्रसाद

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नई दिल्ली में नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस चल रही है। यह नौसेना का यह सर्वोच्च स्तर का प्लेटफार्म है, जहां महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णय व संवाद होते हैं। गुरुवार को नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद शामिल हुए।

उन्होंने यहां बताया कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में नौसेना का महत्वपूर्ण योगदान है। सरकार देश में सेमीकंडक्टर और चिप उत्पादन के क्षेत्र में संप्रभुता मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि एक मजबूत और संकट के समय भी टिकाऊ प्रौद्योगिकी तंत्र तैयार किया जा सके।

गौरतलब है कि नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 29 सितंबर को शुरू हुई थी और 1 अक्टूबर को इसका अंतिम चरण पूरा हो रहा है। नौसेना कमांडरों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता एक-दूसरे से तेजी से जुड़ रही हैं। ऐसे में अत्याधुनिक तकनीकों को तेजी से अपनाना और उन्हें देश की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण है।

इस दौरान जितिन प्रसाद को भारतीय नौसेना की ओर से नवाचार, स्वदेशीकरण और नई तकनीकों को अपनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। उन्होंने व्यापक तकनीकी क्षेत्र में एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी और उभरती तकनीकों की बढ़ती उपयोगिता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का महत्व केवल सामान्य तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्षा बलों के लिए भी इनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने रक्षा व्यापार में मौजूद महत्वपूर्ण अड़चनों और संवेदनशील कड़ियों तथा उभरती तकनीकों के साथ उनके संबंधों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार इन नई तकनीकों को तेजी से और प्रभावी तरीके से अपनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य ऐसी रक्षा व्यवस्था तैयार करना है जो तकनीक से सक्षम होने के साथ-साथ आत्मनिर्भर और मजबूत भी हो।

उन्होंने कहा कि नई तकनीकों को केवल विकसित करना ही पर्याप्त नहीं है। जरूरत इस बात की है कि उन्हें तेजी से रक्षा क्षेत्र में शामिल किया जाए और उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने भारतीय नौसेना के नवाचार और स्वदेशीकरण के प्रयासों को व्यापक तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

साथ ही उन्होंने ऐसी रक्षा व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो नई तकनीकों से लैस, आत्मनिर्भर और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो।

नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में नौसेना प्रमुख के साथ-साथ भारतीय सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी कमांडर्स को संबोधित कर चुके हैं। दरअसल नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों के लिए यह सबसे बड़ा प्लेटफार्म है। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने इस दौरान समुद्री सुरक्षा वातावरण और भारतीय नौसेना की परिचालन स्थिति की समीक्षा की।

त्रिपुरा में स्तन कैंसर जागरूकता के लिए राज्यव्यापी अभियान

विश्व केसरी■



अगरतला। त्रिपुरा में गुरुवार को स्तन स्वास्थ्य, शीघ्र निदान, जोखिम कारकों के बारे में जागरूकता और निरंतर देखभाल को बढ़ावा देने के लिए 'स्तन कैंसर जागरूकता' अभियान की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान राज्यभर में एक महीने तक चलेगा।

स्वास्थ्य सचिव गित्ते किरणकुमार दिनकरराव ने अगरतला में वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में 'स्तन कैंसर जागरूकता' माह के लिए राज्यव्यापी अभियान का शुभारंभ किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्तन कैंसर विश्व स्तर पर महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है और यह एक गंभीर जन स्वास्थ्य चिंता का विषय बना हुआ है।

ग्लोबोकैन 2022 के अनुसार, वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर लगभग 23 लाख महिलाओं में स्तन कैंसर का पता चला, जबकि लगभग 6.7 लाख महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यु हो गई। भारत में, वर्ष 2024 में स्तन कैंसर के लगभग 2,37,231 नए मामले और 96,100 मौतें दर्ज की गईं, जिसमें भारतीय महिलाओं में सभी कैंसरों में स्तन कैंसर का हिस्सा 30.4 प्रतिशत है।

अधिकारी ने बताया कि आईसीएमआर की त्रिपुरा जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री (पीबीसीआर) के अनुसार, 2012-2016 के दौरान राज्य में महिलाओं में होने वाले कैंसर के सभी मामलों में से 14.4 प्रतिशत मामले स्तन कैंसर के थे, जिससे लगभग हर 123 में से एक महिला प्रभावित हुई।बता दें कि त्रिपुरा सरकार ने कैंसर की जांच को बेहतर बनाने और पात्र आबादी तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

अमेरिका में चीनी दूतावास ने सत्कार समारोह का किया आयोजन

विश्व केसरी■



बीजिंग। अमेरिका में चीनी दूतावास ने 30 सितंबर को चीन लोक गणराज्य की स्थापना की 77वीं वर्षगांठ के मौके पर सत्कार समारोह का आयोजन किया। समारोह में अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स, व्हाइट हाउस, विदेश मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय समेत विभिन्न अमेरिकी सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों, मित्रवत लोगों और अमेरिका में तैनात विदेशी राजदूतों समेत 800 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर चीनी राजदूत श्ये फंग ने कहा कि यह साल चीन-अमेरिका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 11 साल बाद फिर अमेरिका की राजकीय यात्रा की। इस दौरान दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने छह महीने के भीतर एक-दूसरे के देशों की यात्रा की, जो चीन-अमेरिका संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है।

श्ये फंग ने कहा कि इस साल चीन की 15वीं पंचवर्षीय योजना का पहला साल है। चीन एक मजबूत देश के निर्माण और राष्ट्रीय पुनरुत्थान की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया में स्थिरता तथा सकारात्मक ऊर्जा ला रहा है। उन्होंने कहा कि चीन का विकास दुनिया के लिए अवसर है और चीन-अमेरिका सहयोग मानव जाति के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने नेताओं के मार्गदर्शन में सम्मान, निष्पक्षता और पारस्परिकता के आधार पर रचनात्मक रणनीतिक स्थिरता वाले चीन-अमेरिका संबंध बनाने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

पति अंतरिक्ष में होगा, पत्नी देगी बच्चे को जन्म: स्पेसएक्स ने चार यात्रियों को स्टेशन भेजा, क्या है मिशन?

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। स्पेसएक्स ने नासा के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है। करीब छह महीने के इस अभियान की कमान जेसिका वाटकिंस संभाल रही हैं, जिन्होंने पहली अश्वेत महिला दल कमांडर बनने का इतिहास रचा। कनाडा के जोशुआ कुट्रिक की पत्नी नवंबर के अंत में तीसरे बच्चे को जन्म देंगी। नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी इस दौरान कुट्रिक और उनके परिवार के बीच संपर्क बनाए रखने में मदद करेंगे।

स्पेसएक्स ने नासा के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा है। करीब छह महीने तक चलने वाले इस अभियान में जेसिका वाटकिंस दल की कमान संभाल रही हैं और अंतरिक्ष में किसी दल का नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत महिला बनी हैं। कनाडा के जोशुआ कुट्रिक की पत्नी नवंबर के अंत में तीसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। ऐसे में नासा उनके परिवार से संपर्क बनाए रखने में मदद करेगा।

किस मिशन के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को रवाना किया?

स्पेसएक्स ने बृहस्पतिवार, एक अक्तूबर को अमेरिका के केप कैनावेरल अंतरिक्ष केंद्र से चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना किया। यह अभियान नासा के लिए है। अंतरिक्ष यान की ईंधन प्रणाली में रिसाव ठीक करने के कारण उड़ान में तीन सप्ताह की देरी हुई थी। इस मिशन के तहत चारों यात्री करीब छह महीने तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेंगे और उनका अभियान वसंत ऋतु तक जारी रहेगा।

अंतरिक्ष यात्रियों को स्टेशन पहुंचने में कितना समय लगेगा?

चारों अंतरिक्ष यात्रियों को उड़ान के करीब आठ घंटे बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने की उम्मीद है। यह स्पेसएक्स की अब तक की सबसे तेज यात्रा हो सकती है। वहां पहुंचने के बाद वे उन चार अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेंगे, जो फरवरी से इस कक्षीय प्रयोगशाला में रह रहे हैं। यह अभियान अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक चलने वाले मानव मिशनों का हिस्सा है।

दल में कौन-कौन शामिल?

इस मिशन की कमान नासा की अंतरिक्ष यात्री जेसिका वाटकिंस के हाथ में है। वह अंतरिक्ष की कक्षा में किसी दल का नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत महिला बनी हैं। भूविज्ञानी वाटकिंस ने करीब एक दशक पहले मंगल ग्रह पर नासा के क्यूरियोसिटी रोवर के साथ काम किया था।

मध्य प्रदेश : बांधवगढ़ में जंगल सफारी का रोमांच शुरू, देश-विदेश से पहुंचे पर्यटक

विश्व केसरी■



उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एक बार फिर पर्यटकों की चहल-पहल से गुलजार हो गया है। एक अक्टूबर से नए पर्यटन सत्र की शुरुआत के साथ ही पार्क के गेट पर्यटकों के लिए खोल दिए गए हैं। लंबे इंतजार के बाद जंगल सफारी शुरू होने से पर्यटकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले ही दिन बड़ी संख्या में सैलानी बांधवगढ़ पहुंचे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर जोन में मानसून के कारण हर साल 30 जून से पर्यटन गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं। करीब तीन महीने के अंतराल के बाद 1 अक्टूबर से पार्क फिर से खुलता है। इस बार भी पर्यटन सत्र की शुरुआत के साथ ही रिजर्व में रौनक लौट आई है। जानकारी के अनुसार, नए सत्र के लिए ऑनलाइन बुकिंग पहले ही लगभग फुल हो चुकी है, जिससे इस बार भी बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

पहले दिन ही मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और गोवा समेत कई राज्यों से पर्यटक बांधवगढ़ पहुंचे हैं। इतना ही नहीं, विदेशी पर्यटकों में भी बांधवगढ़ की जंगल सफारी को लेकर खासा क्रेज देखा जा रहा है।

पर्यटक न केवल बाघ के दीदार के लिए उत्साहित हैं, बल्कि यहां की समृद्ध जैव विविधता, घने जंगल, प्राकृतिक सुंदरता और अन्य वन्यजीवों को करीब से देखने के लिए भी बेताब हैं। बांधवगढ़ बाघों की सबसे ज्यादा आबादी वाले टाइगर रिजर्व में से एक माना जाता है, इसलिए यहां टाइगर साइटिंग की संभावना सबसे अधिक रहती है।

बांधवगढ़ पहुंचे पर्यटकों ने अपने अनुभव भी साझा किए। गोवा से आई पर्यटक अनहता ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि उन्होंने पहली बार जंगल सफारी का आनंद बांधवगढ़ में ही लिया था। लंबे समय से उनकी इच्छा थी कि वह पहले ही दिन सफारी का हिस्सा बनें। इस बार उनका यह सपना पूरा हुआ है।

उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर को उनका जन्मदिन है, इसलिए इस मौके पर यहां आना उनके लिए और भी खास है।

रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी से खुश किसान

विश्व केसरी■



कुशीनगर/धमतरी। केंद्र सरकार ने रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी कर किसानों को राहत देने की घोषणा की है। गेहूं, जौ, चना, मसूर, सरसों और कुसुम समेत प्रमुख रबी फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। सरकार के इस फैसले पर उत्तर प्रदेश में कुशीनगर के किसानों ने खुशी जताई है।

किसानों का कहना है कि सरकार की ओर से एमएसपी बढ़ाए जाने से उन्हें कुछ राहत मिलेगी, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में खेती की लागत लगातार बढ़ी है। जुताई, बुवाई, खाद, बीज, सिंचाई और मजदूरी पर होने वाला खर्च बढ़ने से खेती करना महंगा हुआ है।

वहीं किसानों ने लावारिस और जंगली पशुओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि खेतों में खड़ी फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाते हैं। कई बार पूरी फसल का एक हिस्सा पशुओं के कारण बर्बाद हो जाता है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि लावारिस पशुओं और नीलगाय की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि उनकी मेहनत से तैयार फसल सुरक्षित रह सके।

कुछ किसानों का कहना है कि सरकार एमएसपी के रूप में जितनी अतिरिक्त राशि दे रही है, उसका एक हिस्सा आवारा पशुओं को पकड़ने और उनके रखरखाव की व्यवस्था पर खर्च किया जाए तो भी किसानों को बड़ा लाभ मिल सकता है।वहीं, कुछ किसानों ने खेती की बढ़ती लागत को देखते हुए एमएसपी में और बढ़ोतरी की मांग की है।

एक किसान ने कहा, 'यह किसानों के हित में बहुत अच्छा फैसला है। खेती की लागत बढ़ गई है। जुताई, बुवाई, खाद और बीज समेत हर चीज का खर्च बढ़ा है। ऐसे में एमएसपी में बढ़ोतरी से किसानों को राहत मिलेगी।'

किसान ने कहा कि सरकार को समर्थन मूल्य में और बढ़ोतरी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे गेहूं, धान और सरसों जैसी फसलें उगाते हैं।

और खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। एमएसपी बढ़ने से किसानों को कुछ अतिरिक्त लाभ मिलेगा। किसान ने कहा, 'जिस तरह महंगाई बढ़ रही है, उसी तरह फसलों के दाम में भी बढ़ोतरी होनी चाहिए। सरकार को किसानों के बारे में और विचार करना चाहिए, ताकि उन्हें खेती से बेहतर लाभ मिल सके। फिलहाल एमएसपी बढ़ाने के लिए हम सरकार का धन्यवाद करते हैं।'

उत्तर कोरिया को शक्तिशाली देश बनाने में अग्रणी भूमिका निभाए विश्वविद्यालय : किम जोंग उन

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय किम इल सुंग विश्वविद्यालय से देश को एक 'शक्तिशाली और समृद्ध' राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया है।

उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया केसीएनए के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि किम जोंग उन ने बुधवार को विश्वविद्यालय का दौरा किया और वहां आयोजित 80वीं स्थापना वर्षगांठ समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय को देश का सर्वोच्च प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बताते हुए कहा, 'उसे देश के विकास के लिए चल रहे प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।'

किम ने कहा, 'शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और प्रतिभाओं की शक्ति को मजबूत करना उत्तर कोरिया के लिए मौजूदा समय की तीन आवश्यक जरूरतें हैं। ये तीनों क्षेत्र उत्तर कोरियाई शैली के समाजवाद के विकास की बुनियादी गारंटी भी हैं।'

उन्होंने शिक्षा के विकास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को देश के वर्तमान और भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक कारकों में शामिल किया। किम ने विश्वविद्यालय में समाजवादी शिक्षा के एक नए दौर की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने संस्थान से शिक्षा की गुणवत्ता और विकास के स्तर को और ऊंचा उठाने का आह्वान किया। उत्तर कोरिया के पहले उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में किम इल सुंग विश्वविद्यालय की स्थापना 1 अक्टूबर 1946 को हुई थी। इसका नाम उत्तर कोरिया के संस्थापक और किम जोंग उन के दादा किम इल सुंग के नाम पर रखा गया है।

किम जोंग उन ने विश्वविद्यालय को देश का प्रमुख शिक्षण और वैज्ञानिक संस्थान बताते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा कि अन्य देशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के साथ आदान-प्रदान और सहयोग का विस्तार करने पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के रूप में किम इल सुंग विश्वविद्यालय को शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और मजबूत करना चाहिए।

तीन साल बाद लौटा मिजोरम का एंथुरियम फेस्टिवल, पर्यटन और संस्कृति का दिखेगा संगम

विश्व केसरी■



आइजोल। तीन साल के अंतराल के बाद मिजोरम का तीन दिवसीय एंथुरियम फेस्टिवल गुरुवार से शुरू हो गया। ममित जिले के ऐलावंग और रेइक गांवों में आयोजित हो रहे इस महोत्सव में बागवानी, रोमांच, आदिवासी संस्कृति, संगीत और स्थानीय पर्यटन को एक साथ प्रस्तुत किया जा रहा है।

मिजोरम पर्यटन विभाग ने बागवानी विभाग के सहयोग से 1 से 3 अक्टूबर तक इस महोत्सव का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य राज्य में एंथुरियम की खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ मिजोरम के पहाड़ी परिदृश्य, सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक खेल, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प और ग्रामीण पर्यटन को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है।

पर्यटन मंत्री लालंघिंगलोवा हमार ने कहा कि एंथुरियम फेस्टिवल की वापसी राज्य सरकार की उस व्यापक सोच को दर्शाती है, जिसके तहत पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ यह सुनिश्चित करना है कि स्थानीय समुदायों को भी पर्यटन क्षेत्र की वृद्धि का लाभ मिले।

उन्होंने कहा, 'पर्यटन से केवल पर्यटन स्थलों को ही लाभ नहीं मिलना चाहिए, बल्कि उन लोगों के लिए भी मूल्य और अवसर पैदा होने चाहिए, जो इन स्थानों को विशेष बनाते हैं। एंथुरियम फेस्टिवल हमारी बागवानी, प्राकृतिक परिदृश्य, संस्कृति और समुदायों को एक अनुभव में जोड़ता है, लेकिन इसका बड़ा उद्देश्य स्थानीय पर्यटन अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।'

मंत्री ने कहा कि गांवों की यात्रा करने वाले पर्यटक स्थानीय परिवहन का इस्तेमाल करें, स्थानीय भोजन का आनंद लें।

संपादकीय

गांधी के गांव और शास्त्री के किसान की कसौटी पर आज का भारत



आचार्य ललित मुनि

भारत के गांव बदल रहे हैं। जिस गांव को कभी देश की अर्थव्यवस्था का आधार माना जाता था, वहां अब खेती के साथ डिजिटल सेवाएं, बैंकिंग, सड़क, इंटरनेट, छोटे उद्यम और नई तकनीक पहुंच रही है। किसान भी केवल हल और बैल तक सीमित नहीं है। उसके हाथ में मोबाइल है, खेत में ड्रोन पहुंच रहा है और सौर ऊर्जा से लेकर मौसम की जानकारी तक खेती के नए साधन उसके सामने हैं। फिर भी एक सवाल अपनी जगह कायम है कि इस बदलते गांव और बदलते किसान की दिशा क्या वही है जिसकी कल्पना गांधी और शास्त्री ने अपने अपने समय में की थी?

2 अक्टूबर की तारीख इस सवाल को और महत्वपूर्ण बना देती है। इसी दिन 1869 में महात्मा गांधी का जन्म पोरबंदर में और 1904 में लाल बहादुर शास्त्री का जन्म मुगलसराय में हुआ था। दोनों के जन्म के बीच लगभग 35 वर्ष का अंतर था, लेकिन भारत के कुछ मूल प्रश्नों ने दोनों को एक दूसरे से जोड़ दिया। गांधी के सामने भारत का गांव था और शास्त्री के सामने भारत का किसान। गांधी गांव को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर सामाजिक इकाई के रूप में देखते थे, जबकि शास्त्री ने किसान को भारत की खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के केंद्र में स्थापित किया।

गांधी के लिए गांव केवल कृषि उत्पादन की जगह नहीं था। उनके रचनात्मक कार्यक्रम में ग्राम स्वच्छता, खादी और ग्रामोद्योग, बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं का उत्थान, किसानों और श्रमिकों की चिंता तथा सामाजिक सुधार जैसे विषय शामिल थे। ग्राम स्वराज की उनकी कल्पना में गांव अपने निर्णयों और अपनी आवश्यकताओं के समाधान के लिए अधिक सक्षम हो, यह महत्वपूर्ण था। स्थानीय संसाधन, स्थानीय श्रम और स्थानीय भागीदारी इस सोच के महत्वपूर्ण आधार थे।

लाल बहादुर शास्त्री के सामने परिस्थितियां अलग थीं। स्वतंत्रता के बाद देश खाद्य संकट, आर्थिक कठिनाइयों और सुरक्षा चुनौतियों से गुजर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने किसान को राष्ट्रीय जीवन के केंद्र में रखा। उनका प्रसिद्ध आह्वान जय जवान, जय किसान केवल एक नारा नहीं था। इसमें देश की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को समान महत्व देने की भावना थी। शास्त्री के लिए किसान खेत में अन्न पैदा करने वाला व्यक्ति भर नहीं था, बल्कि राष्ट्र की आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार था।

आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अपनी विकास यात्रा को तेज करने की बात कर रहा है, तब गांधी और शास्त्री की की दृष्टि से वर्तमान भारत देखना स्वाभाविक है। सवाल यह है कि गांधी के ग्राम स्वराज और शास्त्री के किसान सम्मान की धारणाएं आज की विकास नीतियों में किस रूप में दिखाई देती हैं।

गांधी के समय गांव की आत्मनिर्भरता का आधार स्थानीय उत्पादन, स्थानीय श्रम, ग्रामोद्योग और सामुदायिक सहयोग था। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। गांव में बैंकिंग, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान, बिजली, मोबाइल और आधुनिक संचार व्यवस्था पहुंच चुकी है। इसलिए आज का ग्राम स्वावलंबन भी अपने पुराने रूप में नहीं हो सकता। उसे आधुनिक तकनीक और बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ना होगा।

SVAMITVA योजना इसका एक उदाहरण है। ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों की संपत्तियों के अधिकार संबंधी दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य संपत्ति की स्पष्ट पहचान और स्वामित्व अभिलेख तैयार करना है। 29 जनवरी 2026 तक देश के 1.86 लाख गांवों में 3.06 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके थे। छत्तीसगढ़ में 2,557 गांवों के लिए 1,96,757 संपत्ति कार्ड तैयार किए गए थे। सरकार के अनुसार इन संपत्ति कार्डों के आधार पर बैंक ऋण भी वितरित किए जा रहे हैं।

यह स्थानीय संपत्ति, स्थानीय संस्थाओं और स्थानीय आर्थिक क्षमता को मजबूत करने का उद्देश्य है। गांधी के समय गांव के पास जमीन, श्रम और स्थानीय उत्पादन सबसे बड़ी पूंजी थी। आज स्पष्ट संपत्ति अधिकार और डिजिटल व्यवस्था उस पूंजी को आर्थिक अवसर में बदलने का नया रास्ता खोल सकती है।

अब शास्त्री के किसान की ओर लौटें। उनके समय किसान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न था देश के लिए पर्याप्त खाद्यान्न पैदा करना। आज किसान की चुनौती कहीं व्यापक है। उसे उत्पादन के साथ लागत, मौसम, सिंचाई, बाजार, बीमा, ऋण, भंडारण और तकनीक जैसे अनेक प्रश्नों से एक साथ जूझना पड़ता है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वर्तमान कृषि नीति में प्रत्यक्ष आय सहायता का प्रमुख उदाहरण है। इसके तहत पात्र भूमिधारी किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खातों में दिए जाते हैं। जुलाई 2026 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम किसान को 2026 से 2031 तक जारी रखने के लिए 3.15 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को मंजूरी दी। सरकारी जानकारी के अनुसार योजना शुरू होने के बाद 23 किस्तों के माध्यम से 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

गांधी जयंती पर विशेष

गांधी का पुनर्जन्म ही नहीं, गांधी-दृष्टि का पुनर्जागरण हो



ललित गर्ग

महात्मा गांधी को याद करना केवल अतीत के एक महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि अपने वर्तमान की दिशा और भविष्य की दशा पर विचार करना भी है। गांधी किसी एक कालखंड, राजनीतिक दल या विचारधारा की संपत्ति नहीं हैं। वे एक ऐसे जीवन-दर्शन का नाम हैं, जिसकी धुरी सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन, स्वावलंबन, सेवा, स्वदेशी, ग्रामोदय, सामाजिक समरसता और मानव-मर्यादा है। इसलिए आज आवश्यकता गांधी के पुनर्जन्म की ही नहीं, गांधी-दृष्टि के पुनर्जागरण की है। गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेंगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों को स्थापित किया। उनके द्वारा निरुपित सिद्धान्त आज की दुनिया की चुनौतियों एवं समस्याओं के समाधान के सबसे सशक्त माध्यम है। लेकिन वक्त की विडम्बना देखिये कि गांधी को हम बार-बार कटघरे में खड़ा करते हैं और उनकी छवि को धुंधलाने की कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। जो मानसिकता गोली मार सकती है, वह गाली दे तो क्या आश्चर्य? पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती।

आज भारत 'नए भारत' और 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में गांधी को नए संदर्भ में देखने की जरूरत है। गांधी का स्वदेशी केवल चरखे तक सीमित नहीं था; उसका मूल भाव आत्मनिर्भरता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जनवरी 2026 को गांधीजी की पुण्यतिथि पर भी स्वदेशी को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का आधारस्तंभ बताते हुए उनके कर्तव्य-बोध को स्मरण किया। आज जब भारत स्थानीय उत्पादन, आत्मनिर्भरता, नवाचार, डिजिटल क्षमता और उद्यमिता को आगे बढ़ाने की बात करता है, तब गांधी का स्वावलंबन एक नए आर्थिक और सामाजिक संदर्भ में दिखाई देता है। गांधी के लिए विकास का अर्थ केवल उत्पादन और संपन्नता बढ़ाना नहीं था। विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य था। उनकी दृष्टि में सबसे कमजोर व्यक्ति की चिंता विकास की कसौटी थी। आज 'सबका साथ, सबका विकास' और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच की चर्चा इसी व्यापक मानवीय विकास के संदर्भ में की जा सकती है। गांधी का 'अंत्योदय' किसी सरकारी योजना का नाम नहीं, बल्कि विकास की नैतिक कसौटी है-जिसके केंद्र में वह व्यक्ति हो जो सबसे पीछे है।

गांधी की सबसे बड़ी शक्ति यह थी कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना। उनके लिए राजनीति का नैतिक आधार सेवा था। आज लोकतंत्र को केवल चुनावों और संस्थाओं तक सीमित न रखकर संवाद, सहभागिता, उत्तरदायित्व और जनविश्वास से जोड़ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक परंपरा, संवाद और सहभागिता की विरासत को रेखांकित किया है। 2023 के जी-20 सम्मेलन में उन्होंने भारत की प्राचीन सभा-परंपराओं और सामूहिक निर्णय की ऐतिहासिक परंपरा का उल्लेख किया था। यह दृष्टि गांधी की उस राजनीति से संवाद करती है जिसमें जनता केवल शासन की प्रजा नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की सहभागी थी। भारत की विदेश नीति और वैश्विक भूमिका में भी गांधी-दृष्टि के नए संकेत दिखाई देते हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता का सूत्र था- 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य।' प्रधानमंत्री ने इसे भारतीय सभ्यता के 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव से जोड़ा और विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। नई दिल्ली में जी-20 नेताओं का राजघाट जाकर गांधी को श्रद्धांजलि देना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण था। उस अवसर पर गांधी के शांति, सेवा, करुणा और अहिंसा के आदर्शों को सामंजस्यपूर्ण और समावेशी वैश्विक भविष्य से जोड़ा गया।



सचमुच आज विश्व को गाँधीजी के जीवन-मूल्यों की ज्यादा आवश्यकता है । आज धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है। कुछ लोग जेहाद के नाम पर घृणित कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं। कहीं दंगे हो रहे हैं तो कहीं महिलाओं और बच्चों के साथ अत्याचार की घटनाएँ हो रही हैं। धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में विष घोला जा रहा है। दुनिया में शस्त्रों की होड़ चल रही है। आतंकवाद जीवन का अनिवार्य सत्य बन गया है। ऐसे में गाँधी बहुत याद आते हैं। इनके विचारों को फैलाकर ही दुनिया में शांति लाई जा सकती है। यहां गांधी की प्रासंगिकता एक और बड़े आयाम में सामने आती है। दुनिया आज युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट और अविश्वास की चुनौतियों से गुजर रही है। तकनीक ने मानव की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन क्या उसने मानवता बढ़ाई है-यह बड़ा प्रश्न है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर परमाणु हथियारों तक, मनुष्य ने अभूतपूर्व शक्ति हासिल की है; लेकिन शक्ति के साथ संयम, करुणा और नैतिकता न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन सकती है। गांधी का संदेश इसलिए आज और महत्वपूर्ण है कि उन्होंने साधन और साध्य की पवित्रता को एक-दूसरे से अलग नहीं किया। गांधी को किसी एक राजनीतिक खेमे में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना है। गांधी को केवल कांग्रेस, केवल स्वतंत्रता आंदोलन, केवल खादी या केवल किसी एक राजनीतिक व्याख्या तक सीमित करना उनके वैश्विक स्वरूप के साथ न्याय नहीं है। गांधी भारत की आत्मा से निकले और मानवता की चेतना का हिस्सा बने। वे सीमाओं से आबद्ध नहीं हैं। वे अतीत के हैं, लेकिन केवल अतीत के नहीं हैं। वे आज के हैं और आने वाले हर कल के लिए उपयोगी हैं।

भारत जब विश्व में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है, तब गांधी-दर्शन उसके लिए नैतिक पूंजी बन सकता है। आर्थिक शक्ति भारत को प्रभावशाली बना सकती है, तकनीकी शक्ति उसे सक्षम बना सकती है और सामरिक शक्ति उसे सुरक्षित कर सकती है; लेकिन नैतिक शक्ति ही भारत को विश्वसनीय बना सकती है। विश्वगुरु होने का अर्थ दुनिया पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि दुनिया के सामने ऐसा जीवन-मूल्य प्रस्तुत करना है जिससे मानवता लाभान्वित हो। गांधी इसी नैतिक नेतृत्व की सबसे बड़ी भारतीय संभावनाओं में से एक हैं। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को प्रस्तुत करना इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा सकता है। नए भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल यह नहीं होगी कि भारत कितना बड़ा आर्थिक राष्ट्र बनता है; बड़ी उपलब्धि यह होगी कि उसकी विकास यात्रा कितनी मानवीय, समावेशी, संवेदनशील और टिकाऊ होती है। सड़कें, उद्योग, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष अभियान, स्टार्टअप और आर्थिक विकास आवश्यक हैं, लेकिन इनके साथ सत्य, नैतिकता, सामाजिक समरसता, स्वच्छता, पर्यावरण-संरक्षण और कमजोर के प्रति संवेदना भी आवश्यक है।

शिक्षा और ज्ञान से प्रस्फुटित संवेदना तथा मानवता का संदेश मानवता मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है



संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'।

बोध कथा

कर्तव्य का बोध

एक किसान को विरासत में खूब धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता और गप्प हांकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते।

एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे। यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुंचा। महात्मा ने किसान से कहा, 'हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।'

अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ।

किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फुर्ती से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन उसे श्वेत नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, 'तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ 'कर्तव्य' है।' यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

कविता

बदलाव



संगीता दरक माहेश्वरी

बदलाव नियम है
प्रकृति का
मनुष्य स्वभाव भी
क्षण-क्षण बदलता
है
तो परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं
कुछ रिश्तें जब नये बनते हैं
जुड़ते हैं आकार लेते हैं
तब भी बदलाव लाते हैं।
कुछ बदलाव नवसृजन की ओर
कदम बढ़ाते हैं
तो कुछ रिश्तों की मिठास को
कम कर जाते हैं।
प्रकृति भी परिवर्तन की
परिचायक है
मौसम बदलता है जलवायु
बदलती हैं
और धीरे-धीरे हम उस बदलाव के
आदि हो जाते है।
फिर वो बदलाव प्रकृति का
हो या इंसानों का
क्यों कि हम समय के साथ
समायोजित हो जाते हैं।।

मनासा म.प्र.

व्यंग्य केसरी

जिंदगी का हिसाब-किताब



अशोक मतवाला

कहते हैं, ज़िंदगी ताश के खेल जैसी है। अच्छे पत्ते मिल जाएँ तो किस्मत पर इतराने लगते हैं और खराब पत्ते मिलें तो अपनी काबिलियत का प्रदर्शन शुरू कर देते हैं। लेकिन असली मज़ा तब आता है, जब आदमी के हाथ में पत्ते तो खराब हों और फिर भी वह सामने वाले को यह विश्वास दिलाता रहे कि बाज़ी उसी की है!

ज़िंदगी में भी यही खेल चल रहा है। जन्म के समय किसी को राजा मिल जाता है, किसी को गुलाम और किसी के हाथ में ऐसे पत्ते आते हैं कि वह पूरी उम्र उन्हें फेंटता ही रह जाता है। मगर आदमी भी कमाल का खिलाड़ी है—पत्ते चाहे जैसे हों, उम्मीद का इक्का हमेशा जेब में रखता है।

हमारे समाज में अच्छे पत्ते मिलने वालों की अलग ही इज़्ज़त है। जिसके पास पैसा, पद और पहचान का इक्का हो, उसके गलत पत्ते भी लोगों को खूबसूरत दिखाई देते हैं। वह गलत बोले तो 'बेबाक', चुप रहे तो 'गंभीर', देर से आए तो 'व्यस्त' और कुछ न करे तो 'रणनीतिक' कहलाता है।

इसके विपरीत गरीब आदमी की हालत देखिए। उसके पास मेहनत का पूरा गड्डा हो, ईमानदारी के पत्ते हों और चरित्र के सारे रंग मौजूद हों, फिर भी समाज पूछता है— 'भाई, तुम्हारे पास दिखाने के लिए कोई बड़ा पत्ता है?'

आजकल तो रिश्तों का खेल भी ताश से कम नहीं। दोस्ती में कोई पत्ता देखकर दोस्त बनता है, शादी में पूरा गड्डा देखकर रिश्ता तय होता है और राजनीति में तो पत्ते बाँटने वाला ही खिलाड़ी बन जाता है। वहाँ अच्छे पत्ते मिलने से ज्यादा जरूरी है कि किसके हाथ में गड्डी है!

सोशल मीडिया ने इस खेल को और रोचक बना दिया है। यहाँ हर व्यक्ति अपने जीवन के सबसे चमकदार पत्ते ही दिखाता है। किसी की तस्वीर में मुस्कान इतनी बड़ी होती है कि लगता है आदमी ने जिंदगी जीत ली है। अंदर से चाहे बिजली का बिल, बैंक का बैलेंस और घर का झगड़ा उसे चारों तरफ से घेर रहे हों, लेकिन फेसबुक पर स्टेटस होता है— 'ज़िंदगी खूबसूरत है।'

असल में जिंदगी अच्छे पत्ते मिलने का नाम नहीं है। असली हुनर तो तब है, जब हाथ में खराब पत्ते हों और फिर भी आदमी खेलना न छोड़े।

क्योंकि अच्छे पत्ते मिलना किस्मत है, लेकिन खराब पत्तों के साथ अच्छा खेलना काबिलियत।

और कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि हम सारी जिंदगी अपने पत्ते संभालकर बैठे रहते हैं और सामने वाला अचानक कह देता है—

'भाई साहब, खेल खत्म... अब पत्ते समेटिए!'

तब समझ आता है कि हम ताश नहीं, दरअसल ज़िंदगी खेल रहे थे!

अमेरिका

इतिहास

2 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में [आज का इतिहास: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व पीएम लाल बहादुर ...] देश की महान विभूतियों के जन्म और महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए दर्ज है।

प्रमुख जन्म

1869: भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनके जन्मदिन को भारत में 'गांधी जयंती' और पूरी दुनिया में 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

1904: भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। वे अपनी सादगी, ईमानदारी और 'जय जवान, जय किसान' नारे के लिए जाने जाते हैं।

ऐतिहासिक घटनाएं

1950: मशहूर कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' (Peanuts) का प्रकाशन पहली बार अखबारों में शुरू हुआ था।

सक्ती में सेवा सेतु शिविर, 329 आवेदन मिले, 267 का मौके पर निराकरण

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देश एवं प्रदेश सहित जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 'सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार' के तहत 01 अक्टूबर को सेजेस सक्ती में वृहद जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, टिकेश्वर गबेल, कलेक्टर जयश्री जैन, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं



अधिकारियों ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा आमजनों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी। सेजेस सक्ती में आयोजित सेवा सेतु शिविर में कुल 329 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 267 आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इसमें आमजनों एवं हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच के साथ विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। आयुष्मान कार्ड वितरण, गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं की जांच, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, सिकल सेल सहित विभिन्न लैब जांच की सुविधा प्रदान की गई। मेडिकल बोर्ड की टीम द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र संबंधी कार्यवाही की गई। टीबी के मरीजों को फूड बास्केट का वितरण किया गया तथा विभिन्न मरीजों को आवश्यकतानुसार दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के दौरान नेत्रदान एवं देहदान के लिए संकल्प लेने वाले जिलेवासियों को सम्मानित कर समाज के प्रति उनके योगदान को रेखांकित किया गया। शिविर में रोजगार एवं आजीविका से संबंधित योजनाओं तथा 01 जुलाई 2025 से प्रारंभ हुए वीबीजीरामजी योजना के संबंध में भी आमजनों को जानकारी प्रदान की गई। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्र हितग्राहियों को योजना के प्रावधान, पात्रता एवं लाभ लेने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

सेवा सेतु शिविर में हितग्राही पंजीयन काउंटर, आधार कार्ड अपडेटेशन, स्वास्थ्य विभाग, वृहद स्वास्थ्य शिविर, रोजगार एवं आजीविका, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, श्रम विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, खाद्य विभाग, नगर पालिका परिषद सक्ती, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, वित्तीय साक्षरता एवं जनजागरूकता, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इसके साथ ही राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, समाज कल्याण, आदिम जाति विकास, स्वास्थ्य, कृषि, खाद्य, शिक्षा, श्रम सहित अन्य विभागों द्वारा हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गईं।

कलेक्टर ने कहा—शिविर का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना है

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि 'सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार' का मूल उद्देश्य शासन और आमजन के बीच की दूरी को कम करना तथा शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं को जरूरतमंद व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु शिविर आम जनता के लिए एक ऐसा मंच जहां जिले के सभी विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ ले सकते हैं।

पामगढ़ की बेटी शिक्षा दिनकर ने राष्ट्रीय मल्लखंब में जीता स्वर्ण

विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की नगरी झांसी में 27 से 29 सितंबर 2026 तक आयोजित अखिल भारतीय आमंत्रण मल्लखंब प्रतियोगिता-2026 में पामगढ़ की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

लक्ष्मी व्यायाम मंदिर, झांसी में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों के लगभग 400 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्थानीय सांसद अनुराग शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। छत्तीसगढ़ मलखंब संघ के नेतृत्व में कुल 24 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। पामगढ़ की शिक्षा दिनकर ने अपने शानदार खेल प्रदर्शन का परिचय देते हुए व्यक्तिगत रूप मल्लखंब स्पर्धा में देशभर के खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से जांजगीर-चांपा जिले के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा है। वहीं 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिका प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार हिस्सा लेने वाली पामगढ़ की प्रज्ञा कुर्रे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। पहली ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक हासिल कर प्रज्ञा ने अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया और जिले का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 40 निर्णायक एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ की ओर से पुष्कर दिनकर और प्रेमचंद शुक्ला ने तकनीकी अधिकारी एवं निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संघ के अध्यक्ष प्रेमचंद शुक्ला तथा मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. राजकुमार शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं खेल विशेषज्ञ प्रतियोगिता में उपस्थित रहे छत्तीसगढ़ मलखंब टीम के मैनेजर देवराज तिवारी बिलासपुर एवं कोच मंगलूराम उसेन्डी नारायणपुर थे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भी सहभागिता की। इनमें यशपाल, बरेठ,आयुषी, सिद्धार्थ, प्रतीक बंजारे, अभिजीत कुर्रे, समीर कुमार, रोशनी धीवर, हिमांशी, हुसैंती, निधि उसेन्डी सहित नारायणपुर के खिलाड़ियों ने भी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पामगढ़ की शिक्षा दिनकर द्वारा स्वर्ण पदक तथा प्रज्ञा कुर्रे द्वारा कांस्य पदक हासिल किए जाने पर खेलप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दोनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

उपरोक्त अखिल भारतीय आमंत्रण मलखंब प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की शानदार जीत के लिये माननीय विधायक सुशांत शुक्ला बेलतरा क्षेत्र,संरक्षक अनिल टाह,उपाध्यक्ष विरेन्द्र तिवारी,बिसन कसेर,कोषाध्यक्ष अनिल सिंह,मनोज प्रसाद, मिलिन्द भानदेव,मृणाल मूले,प्रशांत तिवारी, विशाल दूबे,कमलकिशोर निकुंज,किशोर कुमार वैष्णव,डा प्रमोद यादव आदि पदाधिकारियों एवं खेलप्रेमी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

लच्छी बंध तालाब मामले में हाईकोर्ट सख्त, कलेक्टर को जांच के निर्देश

विश्व केसरी■

चांपा। बिलासपुर उच्च न्यायालय ने चांपा नगर के लच्छी बंध तालाब को अवैध रूप से पाटने और व्यावसायिक दुकान निर्माण कार्य करने के प्रयास को लेकर एक बड़ा और कड़ा आदेश जारी किया है। माननीय न्यायमूर्ति श्री अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकल पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांजगीर-चांपा कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वे पूरे मामले की विधिवत जांच करें यदि याचिकाकर्ताओं के आरोप सही पाए जाते हैं, तो सभी पक्षों को सुनवाई का मौका देते हुए कानून के तहत तत्काल उचित कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने नहीं की कार्रवाई, तो खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

मिली जानकारी के अनुसार, चांपा के थाना पारा निवासी रवीन्द्र कुमार मासुलकर और चौपाटी निवासी विवेक शर्मा ने हाईकोर्ट में रिट याचिका (WPC No. 225 of 2023) दायर की थी। याचिकाकर्ताओं के वकील श्री अमित कुमार ने कोर्ट को बताया कि चांपा में स्थित खसरा नंबर 811 , 812 की जमीन राजस्व रिकॉर्ड 'वाजिब-उल-अर्ज' में तालाब और छोटे तालाब (डबरी) के रूप में दर्ज है। इस तालाब को एक स्थानीय रसूखदार (प्रतिवादी कुँवर भिवेन्द्र बहादुर सिंह) द्वारा अवैध रूप से भरकर निर्माण कार्य करने का प्रयास किया जा रहा था। याचिकाकर्ताओं ने इसकी शिकायत पहले जिला कलेक्टर से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

जल निकायों का संरक्षण सर्वोपरि: न्यायालय

सुनवाई के दौरान राज्य शासन और प्रतिवादी पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जल निकायों और तालाबों का संरक्षण सबसे पहली प्राथमिकता है। न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के प्रसिद्ध फैसले 'जितेंद्र सिंह बनाम पर्यावरण मंत्रालय और अन्य (2020)' तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के जल संरक्षण संबंधी कड़े दिशा-निर्देशों का हवाला दिया।

पितृपक्ष में पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज को किया गया याद

विश्व केसरी■

रायपुर/शिवरीनारायण। आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी, गुरुवार 1 अक्टूबर को पितृपक्ष के अवसर पर श्री दूधाधारी मठ रायपुर एवं श्री शिवरीनारायण मठ के पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज का श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर मठ में श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण के बीच उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज सहित मठ-मंदिर के ट्रस्टीगण, संत-महात्मा, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन उपस्थित रहे। सभी ने पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज को याद करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पितृपक्ष के इस अवसर पर मठ में विशेष भोग-भंडारे का आयोजन भी किया गया। धार्मिक परंपराओं



के अनुरूप संपन्न हुए इस आयोजन में संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। पूरा आयोजन श्रद्धा, स्मरण और आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत रहा।

इस अवसर पर पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उपस्थित जनों ने उन्हें नमन किया और उनकी स्मृति को सादर याद किया।

लैक्रॉस में आदर्श स्कूल किरारी को दूसरा स्थान

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। आदर्श पब्लिक स्कूल किरारी के सब-जूनियर वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने NTPC लारा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय लैक्रॉस प्रतियोगिता 2026 में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित सक्ती जिले का नाम गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपना शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, लगन एवं अभ्यास के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य श्री दिनेश कुमार साहू तथा सहयोगी शिक्षक श्री अजय कुमार यादव का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन महत्वपूर्ण रहा।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चों ने प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान कठिन परिश्रम किया और मैदान में अपनी प्रतिभा एवं आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन



किया। वहीं, खिलाड़ियों के अभिभावकों द्वारा भी बच्चों को निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

इस सफलता पर आदर्श पब्लिक स्कूल किरारी परिवार ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रतिभाशाली बच्चे आने वाले समय में खेल के क्षेत्र में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सक्ती जिले एवं विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

विद्यादान, डिजिटल साक्षरता से जागरूक हुए विद्यार्थी

विश्व केसरी■

बिर्रा(नीरज शर्मा)। विकासखंड स्तरीय सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में मंगलवार को शिक्षा सहयोग, विद्यादान एवं डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया तथा डिजिटल युग में सुरक्षित और जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 2 बजे हुआ। शिक्षा सहयोग अभियान के तहत जरूरतमंद विद्यार्थियों को कापी एवं पेन प्रदान किए गए। सेवानिवृत्त शिक्षक मनोज तिवारी एवं तोषण तिवारी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए निरंतर अध्ययन और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।



कार्यक्रम में जनपद पंचायत बम्हनीडीह की अध्यक्ष मनीषा चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष तिवारी, बिर्रा सरपंच पीलीबाई साहू, बीईओ बसंत चतुर्वेदी, प्राचार्य सीता सूर्यवंशी, संकुल समन्वयक रामकिशोर देवांगन सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों को डिजिटल साक्षरता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। वक्ताओं ने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया।

कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक पहलू तब सामने आया जब शिक्षा सहयोग अभियान के अंतर्गत समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता और व्यापारी मणिलाल कश्यप एवं एकादशिया साहू सरपंच प्रतिनिधि ने एक-एक गरीब एवं असहाय बच्चे को गोद लेकर उनकी संपूर्ण शिक्षा की फीस वहन करने की घोषणा की।

हैंडपंप से निकल रहा गंदा पानी, पीने को मजबूर ग्रामीण

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। ग्राम पंचायत कल्याणपुर में पेयजल व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों की परेशानी सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के एक सरकारी हैंडपंप से लंबे समय से गंदा पानी निकल रहा है। पानी की स्थिति ऐसी है कि उसे सीधे पीना मुश्किल है। मजबूरी में ग्रामीण कपड़े से पानी छानकर उसका उपयोग कर रहे हैं ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय से दूषित पानी के इस्तेमाल के कारण कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ने की शिकायत भी सामने आई है। सबसे अधिक परेशानी उन परिवारों को हो रही है, जिनके घरों में निजी बोर या अन्य जलस्रोत की सुविधा नहीं है। ऐसे परिवार पूरी तरह सरकारी हैंडपंप पर निर्भर हैं और पानी की खराब गुणवत्ता के बावजूद इसी का उपयोग करने को



मजबूर हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि हैंडपंप से निकलने वाले पानी की गुणवत्ता तथा जलस्रोत की स्थिति की लंबे समय से जांच नहीं कराई गई है। उनका कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरी में गंदे पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि पानी की गुणवत्ता की जांच कराए जाने से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सरकारी हैंडपंप में निजी मोटर लगाने की भी शिकायत:-

इसी बीच ग्रामीणों ने गांव के कुछ अन्य सरकारी हैंडपंपों में निजी मोटर लगाए जाने की शिकायत भी की है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग सरकारी हैंडपंपों में मोटर लगाकर पानी का निजी उपयोग कर रहे हैं। इससे अन्य जरूरतमंद ग्रामीणों को पानी भरने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से इस शिकायत का भी मौके पर सत्यापन कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि वे मौके पर पहुंचकर हैंडपंप के पानी की गुणवत्ता की जांच कराएं। साथ ही जलस्रोत की तकनीकी जांच कर आवश्यक मरम्मत कराई जाए तथा सरकारी हैंडपंपों में निजी मोटर लगाए जाने की शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

विनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ अंडर-19 टीम घोषित

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (आभाषराज गुप्ता)। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने मेंस अंडर-19 विनू मांकड़ वनडे ट्रॉफी 2026-27 के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टीम 8 अक्टूबर से बीसीसीआई द्वारा पुडुचेरी में आयोजित विनू मांकड़ ट्रॉफी अंडर-19 प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेगी।

छत्तीसगढ़ अंडर-19 टीम: फैज खान (कप्तान), आदित्य वर्मा (विकेटकीपर), आर्यन सिंह, आदित्य बड्यवाल, आदित्य यादव, अगमजोत सिंह चग्गर, अमन त्रिपाठी, अमेया मोरे (विकेटकीपर), अमितेश मिश्रा, अर्शवीर सिंह भाटिया, चंद्रभूषण साहू, देव रिशित, धनंजय नायक, सक्षम चौबे, शिवम यादव, तेजस्वी कालभोर और वेदांश खेडिया।



छत्तीसगढ़ अपने अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को हरियाणा के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम का सामना 10 अक्टूबर को बिहार, 12 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश, 14 अक्टूबर को पंजाब और 16 अक्टूबर को ओडिशा से होगा। सभी मुकाबले पुडुचेरी में खेले जाएंगे।

बाढ़ से टूटी शबरी सेतु की रेलिंग, मरम्मत की धीमी रफ्तार पर लोगों में नाराजगी

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी में आई बाढ़ का पानी उतरने के बाद शिवरीनारायण और गिधौरी को जोड़ने वाले शबरी सेतु की स्थिति अब चिंता का विषय बनती जा रही है। बाढ़ के तेज बहाव से पुल की रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई है, वहीं पुल पर बहकर आए कचरे और मलबे की सफाई तथा मरम्मत कार्य की धीमी गति को लेकर दोनों ओर के नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। नागरिकों का सवाल है कि जब पुल को मरम्मत के नाम पर तीन दिनों तक बंद रखा गया, तो उस दौरान आवश्यक कार्य प्रभावी ढंग से



क्यों नहीं हो पाया?

जानकारी के अनुसार, 27 से 29 सितंबर तक शबरी सेतु को मरम्मत के नाम पर बंद रखा गया था। इस दौरान शिवरीनारायण और गिधौरी के बीच आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आम नागरिकों से लेकर बुजुर्गों तक को असुविधा झेलनी पड़ी। इसके बावजूद नागरिकों का आरोप है कि पुल पर सफाई और मरम्मत का काम अपेक्षित गति से नहीं हुआ।

79 वर्षीय नेत्रहीन बुजुर्ग महिला को भी हुई परेशानी

पुल बंद रहने के दौरान लोगों को हुई परेशानी का एक संवेदनशील उदाहरण 79 वर्षीय नेत्रहीन बुजुर्ग महिला का भी सामने आया। उनके पुत्र के अनुसार, आवागमन के दौरान उनकी मां को बार-बार रुकना पड़ रहा था। वे लगातार कह रही थीं कि उनसे ठीक से चला नहीं जा रहा है। पुत्र ने बताया कि उनकी मां पहले भी लगभग 15 से 16 फीट की ऊंचाई से गिर चुकी हैं, जिसके कारण उनकी कमर और घुटनों में लगातार दर्द बना रहता है।

परिजनों के अनुसार, बुजुर्ग महिला की स्थिति को देखते हुए उनके पुत्र ने प्रशासन से सहायता और सुविधा की गुहार लगाई थी, लेकिन उन्हें अपेक्षित राहत नहीं मिली। इस घटना ने पुल बंद रहने के दौरान बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की आवश्यकता को भी उजागर किया है।

खेत में मिली नवजात बच्ची

अम्बिकापुर। सरगुजा जिले के दरिमा क्षेत्र में खेत के पास असहाय अवस्था में मिली नवजात बच्ची के मामले में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने संज्ञान लिया है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर बच्ची के स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली तथा समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि नवजात बच्ची के उपचार और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उसे चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही बच्ची की सुरक्षा और भविष्य के संरक्षण के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक कार्रवाई करें। ग्रामीणों की मदद से बच्ची को उपचार के लिए पहुंचाया गया था। मंत्री ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए बच्ची के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि मासूम को बेहतर उपचार के साथ सुरक्षित वातावरण और उचित संरक्षण देना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सक्ती में वृद्धजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर लगा

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर तालुका विधिक सेवा समिति, सक्ती के तत्वावधान में वृद्धजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों, संरक्षण से संबंधित कानूनों तथा नि:शुल्क विधिक सहायता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में लीना अग्रवाल, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति सक्ती, कुमारी पुष्पलता मारकंडे, अपर सत्र न्यायाधीश सक्ती तथा कुमारी अंकिता देवदास, न्यायिक



मजिस्ट्रेट सक्ती उपस्थित रहीं। न्यायिक अधिकारियों द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर वे विधिक सेवा संस्था के माध्यम से नि:शुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

इस अवसर पर अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति सक्ती के मार्गदर्शन में उपस्थित वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गई तथा उनके लिए स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई। चिकित्सा दल द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जाँच कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकांत पटेल, आरएमए श्री सत्यनारायण , सीएचओ अमृता सिदार, चमेली पटेल, आरएचओ गजेंद्र राव भोसले, महेंद्र प्रताप चौहान, आशीष टंडन, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा पैरालीगल वालंटियर प्रहलाद बंजारे, मनीष साहू एवं भुनेश्वर साहू उपस्थित रहे।

सेंसेक्स 571 अंक गिरा; निफ्टी ऑटो में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट

विश्व केसरी■



मुंबई। ऊर्जा की स्थिर कीमतों, बॉन्ड यील्ड में अस्थिरता और ब्याज दरों में वृद्धि के डर से निवेशकों में घबराहट फैलने के कारण भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ।

बाजार बंद होने के समय, बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक यानी 0.79 प्रतिशत गिरकर 71,909.70 पर आ गया और निफ्टी 50 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत गिरकर 22,421.95 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसमें बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक गिरकर कैलेंडर वर्ष के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में दिनभर के कारोबार में 1,280 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 72,573 के उच्च स्तर से गिरकर 71,293 के निम्न स्तर पर आ गया। इस दौरान, सूचकांक 2 अप्रैल, 2026 को बने अपने पिछले 2026 के न्यूनतम स्तर 71,545 से भी नीचे आ गया।

इस बीच, एनएसई निफ्टी 50 सूचकांक में दिन के दौरान 1.7 प्रतिशत यानी 394 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जो 22,217 के न्यूनतम स्तर पर आ गया। वहीं दिन का उच्चतम स्तर 22,611 रहा। सूचकांक ने अप्रैल में कैलेंडर वर्ष का न्यूनतम स्तर 22,183 छुआ था।

निफ्टी50 इंडेक्स में बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी, श्रीराम फाइनेंस, टाटा स्टील, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, आयशर मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई लाइफ, मैक्स हेल्थ और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 क्रमश: 1.01 प्रतिशत और 0.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि बाजार में गिरावट की मुख्य वजह बाहरी कारण रहे हैं; बॉन्ड यील्ड कई सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और कच्चे तेल की कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं, जिससे 2026-27 के आर्थिक आउटलुक को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वहीं, देश के भीतर भी निवेशक दूसरी तिमाही (क्यू2) के नतीजों और अगले हफ्ते आने वाली आरबीआई की पॉलिसी को लेकर सतर्क हैं।

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि उम्मीद है कि क्यू2 की कमाई क्यू1 के मुकाबले कमजोर रहेगी, क्योंकि क्यू1 में ऑपरेटिंग कॉस्ट के असर का फायदा मिला था, जो इस बार शायद वैसा न हो।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 62.50 रुपए हुआ महंगा, एटीएफ के भी बढ़े दाम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों में मजबूती के अनुरूप गुरुवार से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपए की बढ़ोतरी की है।

इस संशोधन के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 62.50 रुपए बढ़कर 2,810 रुपए हो गई है। सितंबर में भी इसकी कीमत 9.50 रुपए बढ़ाई गई थी। इससे पहले अगस्त में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 192 रुपए और जुलाई में 183.50 रुपए की कटौती की गई थी।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी के बीच जून में कमर्शियल एलपीजी की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। इसके अलावा, फरवरी से जून के बीच 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 1,373 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जिससे इसकी कीमत 1,740.50 रुपए से बढ़कर 3,113.50 रुपए हो गई थी।

हालांकि, घरेलू एलपीजी की कीमत 942 रुपए पर अपरिवर्तित रखी गई है। पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी आपूर्ति बाधाओं और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में तेजी के बीच मार्च से जून के बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई थी। इसके अलावा, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी 16 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। इसके बाद घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमत 121 रुपए से बढ़कर 137 रुपए प्रति लीटर हो गई है। हालांकि, सितंबर में 6.28 रुपए प्रति लीटर यानी 5.46 प्रतिशत और अगस्त में 5 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के बाद हुई है। एटीएफ किसी एयरलाइन की परिचालन लागत का 40 प्रतिशत तक हिस्सा होता है, जिससे ईंधन की कीमतें एयरलाइंस के खर्च का एक महत्वपूर्ण घटक बन जाती हैं।

ताजा कीमत संशोधन अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों में बदलाव और रुपये-डॉलर विनिमय दर को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल-अगस्त में 29 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, ऊंचे आधार के कारण पूरे वित्त वर्ष में यह वृद्धि घटकर 4 से 6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, वाहन निर्माताओं (ओईएम) द्वारा हाल में घोषित कीमतों में बढ़ोतरी और उम्मीद से कमजोर मानसून ग्रामीण मांग को प्रभावित कर सकता है। इससे वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में वाहनों की बिक्री की मात्रा पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में खुदरा बिक्री में लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें हाल में लॉन्च किए गए नए मॉडलों की मजबूत मांग, गर्मियों में लंबे चले शादी के सीजन और संशोधित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों का लगातार सकारात्मक असर प्रमुख कारण रहे।

रिपोर्ट में कहा गया, ऑपरेटिंग लीवरेज में बढ़ोतरी, लागत नियंत्रण उपायों और कीमतों में वृद्धि से वाहन निर्माताओं को मजबूत मार्जिन बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मार्जिन में करीब 200 आधार अंकों की गिरावट आई थी। कम कर्ज, मजबूत नकदी स्थिति और मजबूत प्रमोटर समूह के समर्थन से वाहन निर्माताओं की क्रेडिट प्रोफाइल मजबूत रहने की संभावना है।

अगस्त में प्री-फेस्टिव सीजन के लिए स्टॉक बढ़ाए जाने के कारण इन्वेंटरी का स्तर क्रमिक आधार पर पांच दिन बढ़कर 38-40 दिन हो गया। हालांकि, यह अगस्त 2025 के 56 दिनों के स्तर से काफी नीचे है।

यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) सेगमेंट की कुल उद्योग बिक्री में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में यह 68 प्रतिशत रही। ग्राहकों की बदलती पसंद और कई नए मॉडलों की लॉन्चिंग से इस सेगमेंट को बढ़ावा मिला है।

जीएसटी दरों में कटौती के बाद एंट्री-लेवल कार सेगमेंट की मांग में कुछ सुधार हुआ है।

खुदरा चीनी की कीमतों में 15 प्रतिशत की गिरावट, एक्स-मिल दाम भी 28 प्रतिशत घटा: केंद्र

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। खुदरा बाजार में चीनी की कीमतों में अगस्त के उच्चतम स्तर से करीब 15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, मिल से निकलने वाली चीनी (एक्स-मिल) की कीमतों में करीब 28 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है और दाम करीब तीन हफ्तों से स्थिर बने हुए हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई।

सरकार ने कहा कि अगस्त में चीनी की कीमतें अपने सबसे ऊंचे स्तर पर थीं, तब से औसत खुदरा कीमतों में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। उम्मीद है कि कीमतें और कम होंगी क्योंकि कम एक्स-मिल कीमतों का फायदा सप्लाई चेन तक पहुंचेगा।

एक्स-मिल चीनी की कीमतों में उच्चतम स्तर से लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट आई है और पिछले तीन हफ्तों से ये कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।

सरकार के अनुसार, कीमतों में यह गिरावट उन विभिन्न उपायों का असर है जो चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और बाजार में इसकी सुचारू आवाजाही को आसान बनाने के लिए किए गए थे। जमाखोरी रोकने और आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए, सरकार ने चीनी डीलरों के लिए स्टॉक रखने की अवधि घटाकर 15 दिन कर दी है और स्टॉक रखने की सीमा 1,000 क्विंटल तय की है। ये नए नियम 15 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2026 तक लागू रहेंगे।

नए नियमों के तहत, चीनी डीलरों को चीनी मिलने की तारीख से 15 दिन से ज्यादा समय तक स्टॉक रखने की इजाजत नहीं होगी। साथ ही, उन्हें देश में किसी भी जगह और किसी भी समय 1,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी का स्टॉक रखने की भी अनुमति नहीं होगी।

हालांकि, क्षेत्रीय बाजार की खास ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के साथ-साथ असम राज्य के लिए स्टॉक रखने की सीमा 2,000 क्विंटल तय की गई है।

सरकार ने कहा कि कोलकाता उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक से चीनी मंगाता है और इसे पूर्वी भारत, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र भी शामिल है, में आपूर्ति करता है। असम के लिए ज्यादा सीमा भौगोलिक चुनौतियों, ट्रांसपोर्टेशन लॉजिस्टिक्स और पूर्वोत्तर में उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए तय की गई है।

इन नए नियमों का मकसद यह पक्का करना है कि डिस्ट्रिब्यूशन चेन में चीनी का अनावश्यक जमावड़ा न हो और चीनी मिलों से डीलरों के जरिए उपभोक्ताओं तक आपूर्ति सुचारू रूप से चलती रहे।

यूपीआई लेनदेन की संख्या सितंबर में 23 प्रतिशत बढ़ी, वैल्यू 29 लाख करोड़ पहुंचा



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 24.07 अरब हो गई। वहीं, लेनदेन का कुल मूल्य 18 प्रतिशत बढ़कर 29.37 लाख करोड़ रुपए हो गया।

औसतन सितंबर में यूपीआई के जरिए प्रतिदिन करीब 80.2 करोड़ लेनदेन हुए। इन लेनदेन का औसत दैनिक मूल्य लगभग 97,913 करोड़ रुपए रहा।

अगस्त में यूपीआई लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 24.51 अरब हो गई थी, जबकि लेनदेन का मूल्य 20 प्रतिशत बढ़कर 29.82 लाख करोड़ रुपए रहा था।

एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, आईएमपीएस के जरिए तत्काल फंड ट्रांसफर की राशि सितंबर में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 7.06 लाख करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, इसके जरिए औसतन प्रतिदिन 1.18 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि औसत दैनिक लेनदेन राशि 23,530 करोड़ रुपए रही। इसके अतिरिक्त, प्रमुख व्यापारी संगठनों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ राष्ट्रीय राजधानी में बैठक के बाद 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का अपना आह्वान वापस ले लिया है।

विभिन्न राज्यों के करीब 20 व्यापारिक प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से मुलाकात कर 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं। व्यापारियों ने कहा कि इस कदम से छोटे और मध्यम कारोबारों पर बोझ बढ़ सकता है और व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को अपनाने पर असर पड़ सकता है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चांदनी चौक से सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने किया।

एमडीआर केवल 2,000 रुपए से अधिक के पी2एम (व्यक्ति से व्यापारी) लेनदेन पर लागू होता है। 2,000 रुपए तक के लेनदेन पर एमडीआर शून्य बना रहेगा।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2,000 रुपए तक के लेनदेन यूपीआई के मर्चेंट लेनदेन की कुल संख्या के 96 प्रतिशत से अधिक हैं। इसका मतलब है कि यूपीआई भुगतानों की बड़ी संख्या एमडीआर के दायरे में नहीं आएगी और इसलिए एमडीआर पर कोई जीएसटी भी नहीं लगेगा।

जिन व्यापारियों की मासिक यूपीआई प्राप्तियां 1 लाख रुपए तक हैं, उन्हें एमडीआर का भुगतान नहीं करना होगा। नए यूपीआई ढांचे का व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) लेनदेन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। राशि कितनी भी हो, सभी पी2पी लेनदेन के लिए यूपीआई पूरी तरह मुफ्त बना रहेगा।

जीएसटी संग्रह सितंबर में 14.7 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए के पार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत का सकल जीएसटी संग्रह सितंबर में सालाना आधार पर 14.7 प्रतिशत बढ़कर 2.04 करोड़ रुपए रहा है। यह जानकारी सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई।

घरेलू गतिविधियों से सकल जीएसटी संग्रह सितंबर में सालाना आधार पर 10.1 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.38 लाख करोड़ रुपए रहा है। वहीं, आयात पर जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 65,525 करोड़ रुपए था।

सितंबर में जीएसटी रिफंड में सालाना आधार पर करीब 3 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 27,001 करोड़ रहा है।

रिफंड को हटाकर सितंबर में शुद्ध जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 18.1 प्रतिशत बढ़कर 1.76 लाख करोड़ रुपए रहा है। वित्त वर्ष 27 के पहले छह महीनों में (अप्रैल-सितंबर) तक शुद्ध जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 11.6 प्रतिशत बढ़कर 12.46 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस दौरान शुद्ध जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 10.66 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

इसके अतिरिक्त, जीएसटी परिषद की बैठक 7 अक्टूबर को प्रस्तावित है।

बीते हफ्ते वित्त मंत्रालय के सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस बैठक में बैठक में बड़े स्तर पर जीएसटी दरों बदलाव की संभावना नहीं है। परिषद का फोकस दरों के बजाय 'प्रक्रियागत सुधारों' और हाल में किए गए दरों के युक्तिकरण के क्रियान्वयन पर रह सकता है।

आने वाली बैठक में परिषद के पिछले एक साल के दौरान जीएसटी दरों में किए गए बदलावों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने की उम्मीद है। इसमें दरों में व्यापक कटौती करने के बजाय क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने और दरों के युक्तिकरण के प्रभाव का आकलन करने पर ध्यान दिया जा सकता है।

रेलवे ने मडगांव-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस का बेंगलुरु तक किया विस्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मडगांव-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस का विस्तार अब बेंगलुरु तक कर दिया है। यह ट्रेन अब हसन, उडुपी और कारवार होते हुए मडगांव से बेंगलुरु पहुंचेगी। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री की ओर से गुरुवार को दी गई।

कर्नाटक से आने वाले केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि अभी चल रही मडगांव-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को अब हासन, उडुपी और कारवार होते हुए बेंगलुरु तक बढ़ा दिया गया है। अब यह ट्रेन बदले हुए समय के साथ 'ट्रेन नंबर 26655/26656 यशवंतपुर-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस' के तौर पर चलेगी।

एच.डी. कुमारस्वामी कर्नाटक की मांड्या लोकसभा सीट से सांसद हैं। मौजूदा समय में केंद्र सरकार में भारी उद्योग और इस्पात मंत्री हैं।

कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि बढ़ते यात्री ट्रैफिक के साथ-साथ पर्यटन, धार्मिक यात्रा, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्रों के लिए इस रूट (कॉरिडोर) के महत्व को ध्यान में रखते हुए, मैंने हसन, मंगलुरु, उडुपी और कारवार होते हुए बेंगलुरु और मडगांव को जोड़ने वाली 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेल सेवा शुरू करने का अनुरोध किया था।

मैं अपने कैबिनेट सहयोगी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का मेरे निवेदन पर तुरंत और सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। अभी चल रही मडगांव-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को अब हसन, उडुपी और कारवार होते हुए बेंगलुरु तक बढ़ा दिया गया है। यह अब बेहतर समय-सारणी के साथ 'ट्रेन नंबर 26655/26656 यशवंतपुर-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस' के तौर पर चलेगी।

उन्होंने पोस्ट में आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, आधुनिक रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने और बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा को एक-दूसरे के करीब लाने की दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम है।

क्या आप हमेशा हेल्दी रहना चाहते हैं? डॉक्टर ने बताया आपकी थाली में रोज क्या होनी चाहिए, देखिए लिस्ट



क्या आप हमेशा हेल्दी रहना चाहते हैं? हेल्दी तो रहना चाहते हैं लेकिन इसके लिए आप क्या करते हैं? रोजाना जंक फूड, फास्ट फूड, चिप्स, मोमोज, बाहर की तली-भुनी चीजें आज के नए जमाने का नियमित फूड बन गया है. इन सबसे आप हेल्दी नहीं रह पाएंगे. ऐसे में यदि आप वाकई हेल्दी रहना चाहते हैं तो आपकी थाली में क्या होना चाहिए, इसके बारे में डॉक्टर से ही जान लीजिए.

आजकल जिस तरह कम उम्र से ही लोगों को हार्ट, लिवर, किडनी, पेट आदि की क्रोनिक बीमारियां हो रही हैं. हर चार में से एक वयस्क व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर है. हर पांच में से एक वयस्क व्यक्ति को डायबिटीज है. इन बीमारियों के लिए सबसे अधिक खराब खान-पान को ही जिम्मेदार बताया जा रहा है. लोगों की दिनचर्या में पिज्जा, बर्गर, मोमोज, चिप्स, कुरकुरे, पेस्ट्रीज, केक आदि जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, शराब, गुटखा, तंबाकू, सिगेट, प्रोसेस्ड फूड आदि हिस्सा बनने लगा है. ये फास्ट फूड सेहत के लिए सबसे बड़ा दुश्मन है. ऐसे में सवाल उठता है कि हम क्या खाएं कि हमेशा सेहतमंद रहे. हमेशा हेल्दी रहे. हालांकि इस बात की तो कोई गारंटी नहीं ले सकता है कि आपको कोई बीमारी कभी होगी ही नहीं लेकिन निश्चित रूप से खान-पान बीमारियों को बढ़ाने में बहुत बड़ा कारक है. ऐसे में डॉक्टरों द्वारा बताई गई हेल्दी थाली के बारे में बता रहे हैं. डॉक्टर ने बताया कि आपकी थाली में कब-कब क्या-क्या रहना चाहिए.

शुरुआत कैसे करें

एचटी की खबर में वरिष्ठ डॉक्टर ओंकार स्वामी बताते हैं कि सेहतमंद रहने के लिए पौष्टिक लेकिन संतुलित भोजन की जरूरत होती है. संतुलित भोजन का अर्थ है कि आपके भोजन से प्रोटीन, विटामिन, फैट, कार्बोहाइड्रैट, मिनिरल्स, माइक्रोन्यूट्रेंट्स आदि का संतुलित मिश्रण हो. चूंकि हमारे शरीर को इन सबकी जरूरत होती है, इसलिए ऐसा भोजन हो कि ये सब चीजें मिल जाए. इन सब चीजों का एक साथ मिलना किसी एक फूड में असंभव है, इसलिए हमें अपनी थाली में वैरायटी वाले फूड को शामिल करना चाहिए. मतलब आपकी थाली में कई चीजें एक साथ हो. ऐसे में जब भी आप दिन की शुरुआत में नाश्ता करें तो इसमें ये सारी चीजें होनी चाहिए. इस तरह आप नाश्ते में अंकुरित चना, मूंग आदि को स्वादिष्ट बनाकर खा सकते हैं. इसके साथ ही अंडा और दूध भी शामिल हो. जो भी खाएं वह पौष्टिक हो. पनीर, दाल, दही, अंडा नाश्ते के लिए बेस्ट रहेगा.

डॉ. ओंकार स्वामी कहते हैं कि अपनी थाली को पौष्टिक बनाने का सबसे आसान और सिंपल तरीका है कि आप अपनी थाली का आधा हिस्सा फल और हरी सब्जियों से भरे. इनसे आपको पर्याप्त मात्रा में विटामिन, मिनिरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स मिल जाएंगे. इससे इम्यूनिटी बढ़ेगी जिसकी वजह से शरीर में बाहरी हमले के दौरान बचाव मिलेगा. इससे आपका पाचन भी मजबूत होगा. पाचन मजबूत होने से कई बीमारियां अपने आप भागी रहती है. हरी सब्जियां और फल क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को कम करता है. कोशिश करें कि दिन भर में पांच अलग-अलग तरह के कलरफुल फल और सब्जी आपकी थाली में शामिल हो.

अगर आपकी थाली का एक चौथाई हिस्सा साबुत अनाज या मोटे अनाज से भरा है तो यह सबसे आइडियल थाली है. यानी अपनी थाली चावल, गेंहू, दालें आदि से कुदरती तौर पर बने फूड है तो यह साबुत अनाज है. वहीं ज्वार, मक्कार, बाजरा, रागी, कुटकी आदि मोटा अनाज है. साबुत अनाज से हर मामले में मोटा अनाज ज्यादा फायदेमंद है।

हर बाइट में मिलेगा मसालेदार स्वाद, जानिए बीकानेरी भुजिया पराठा बनाने का तरीका



बीकानेरी भुजिया पराठा बनाने की विधि गेहूं का आटा, बीकानेरी भुजिया, उबले आलू और मसालों से झटपट तैयार होने वाला यह पराठा नाश्ते या टिफिन के लिए बेहतरीन है. इसे दही या चटनी के साथ परोस सकते हैं. ये चाय के साथ भी एक खास स्वाद देगा.

अगर आपको पराठे पसंद हैं और कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो बीकानेरी भुजिया पराठा बेहतरीन रहेगा. राजस्थान के बीकानेर की मशहूर मसालेदार भुजिया को जब पराठे की स्टफिंग के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है. यह रेसिपी झटपट तैयार हो जाती है और सुबह के नाश्ते, बच्चों के टिफिन या शाम की चाय के साथ भी परोसी जा सकती है.

आवश्यक सामग्री

गेहूं का आटा - 2 कप

बीकानेरी भुजिया - 1 कप

उबला हुआ आलू - 2 मध्यम आकार के

बारीक कटा प्याज - 1

हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई

हरा धनिया - 2 बड़े चम्मच

लाल मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच

भुना जीरा पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच

अमचूर पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच

नमक - स्वादानुसार

तेल या घी - पराठा सेंकने के लिए

पराठे का आटा तैयार करें

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा लें. इसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं और धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें. आटे पर थोड़ा तेल लगाकर 15 मिनट के लिए ढककर रख दें. इससे पराठे मुलायम बनेंगे.

एक बाउल में उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें. अब इसमें बीकानेरी भुजिया डालें. साथ ही कटा प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, अमचूर और आवश्यकता अनुसार नमक मिलाएं. ध्यान रखें कि भुजिया में पहले से नमक होता है, इसलिए नमक कम ही डालें. सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर स्टफिंग तैयार कर लें.

पराठा बनाने की विधि

गूंथे हुए आटे की मध्यम आकार की लोई बनाएं. इसे हल्का बेलकर बीच में 2 से 3 चम्मच स्टफिंग रखें. किनारों को बंद करके फिर से हल्के हाथों से बेल लें. तवा गर्म करें और पराठे को दोनों तरफ से सेंकें. जब हल्के सुनहरे दाग आने लगें, तब घी या तेल लगाकर कुरकुरा होने तक सेकें। इसी तरह सभी पराठे तैयार कर लें. बीकानेरी भुजिया के कारण पराठों में अलग तरह की कुरकुराहट और मसालेदार स्वाद आता है।

परवल की पत्तियों में पीलापन? जलजमाव और फल मक्खी हैं मुख्य वजह, ऐसे करें समय पर बचाव



बारिश में परवल की पत्तियों व फलियों में पीलापन जलजमाव और फल मक्खी के कारण होता है. सहायक निदेशक रोमी कुमारी के अनुसार, जल निकासी और ल्यूअर ट्रैप का उपयोग कर समय पर बचाव संभव है. किसानों को नियमित निरीक्षण और उचित उपाय अपनाने की सलाह दी गई है.

बारिश के मौसम में परवल की फसल किसानों के लिए आमदनी का अच्छा जरिया बनती है. लेकिन इस बार कई परवल उत्पादक किसानों के सामने एक नई समस्या खड़ी हो गई है. खेतों में लगी परवल की लताओं की पत्तियों और फलियों में पीलापन आने लगा है, जिससे किसान चिंतित हैं और उपज घटने का डर सता रहा है. इस समस्या के समाधान के लिए हमने सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण, दरभंगा रोमी कुमारी से विशेष जानकारी ली. उन्होंने बताया कि परवल में पीलापन आने के पीछे मुख्य रूप से दो कारण होते हैं.

पहला कारण: खेत में जलजमाव

रोमी कुमारी के अनुसार लगातार बारिश या सिंचाई के बाद पानी का निकास न होने से जड़ों में नमी बनी रहती है. इससे जड़ें सड़ने लगती हैं और पौधा भोजन सही से नहीं ले पाता. नतीजतन लताओं की पत्तियां पीली पड़कर मुरझाने लगती हैं और फल का विकास रुक जाता है.

बचाव का उपाय

अगर समस्या जलजमाव की है तो सबसे पहले खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

अक्टूबर में घर आया नन्हा मेहमान? इस लिस्ट में देखें बेटे-बेटी के लिए 30 नाम, अर्थ में छिपी है रोशनी और खुशी



अक्टूबर में जन्मे बच्चे के लिए नाम चुनते समय रोशनी, प्रकृति, खुशी और नई शुरुआत जैसे अर्थों को आधार बनाया जा सकता है. लड़कों और लड़कियों के लिए यहां 30 पारंपरिक और मॉडर्न नाम दिए गए हैं. नाम तय करते समय अर्थ, उच्चारण और सरनेम के साथ मेल जरूर देखें.

अक्टूबर में घर आने वाला नन्हा मेहमान अपने साथ त्योहारों की रौनक और खुशियों का एहसास भी लेकर आता है. ऐसे में बच्चे के लिए नाम चुनना माता-पिता के लिए एक खूबसूरत लेकिन थोड़ा उलझाने वाला काम हो सकता है. नाम ऐसा हो जो सुनने में प्यारा लगे, जिसका अर्थ अच्छा हो और बड़े होने पर भी उतना ही खास महसूस हो. कुछ परिवार नाम चुनते समय महीने, मौसम, रोशनी, प्रकृति या उत्सव से जुड़े भावों को महत्व देते हैं.

अगर आपके घर भी अक्टूबर में बच्चे का जन्म हुआ है या होने वाला है, तो इन नामों पर नजर डाल सकते हैं. यहां लड़के और लड़कियों के लिए 30 नाम दिए गए हैं, जिनमें पारंपरिक और मॉडर्न दोनों तरह के विकल्प शामिल हैं.

अक्टूबर में जन्मे बेटों के लिए 15 नाम

अक्टूबर का महीना त्योहारों और बदलते मौसम से जुड़ा माना जाता है. इसलिए इस महीने जन्मे बेटे के लिए रोशनी, ऊर्जा, नई शुरुआत और खुशी जैसे भाव वाले नाम पसंद किए जा सकते हैं.

आरव - शांत और सुकून भरा.

विवान - सूर्य की किरण.

अथर्व - ज्ञान और वेदों से जुड़ा नाम.

अद्विक - अनोखा.

युवान - युवा और ऊर्जावान.

रुद्र - भगवान शिव का नाम.

दक्ष - कुशल और योग्य.

नक्ष - चंद्रमा से जुड़ा नाम.

अर्णव - समुद्र.

ओजस - ऊर्जा और तेज.

तेजस - प्रकाश और तेज.

नीरव - शांत और स्थिर.

सक्षम - योग्य और समर्थ.

अमोघ - सफल या अचूक.

इन नामों में कुछ ऐसे हैं जो लंबे समय से भारतीय परिवारों में पसंद किए जाते रहे हैं, जबकि कुछ नाम आधुनिक सुनाई देते हैं. अगर माता-पिता छोटे और आसानी से बोले जाने वाले नाम की तलाश में हैं, तो आरव, अंश, नक्ष, विहान और युवान जैसे विकल्प देखे जा सकते हैं.

अक्टूबर में जन्मी बेटियों के लिए 25 नाम

बेटी के लिए नाम चुनते समय कई माता-पिता ऐसे अर्थ तलाशते हैं जिनमें सुंदरता, रोशनी, प्रकृति, ज्ञान या खुशी का भाव हो. अक्टूबर से जुड़े इन भावों को ध्यान में रखते हुए ये नाम पसंद किए जा सकते हैं.

लड़कियों के नाम और उनके अर्थ

अन्वी - देवी का एक नाम.

अवनी - धरती.

इरा - धरती या सरस्वती से जुड़ा नाम.

काव्या - कविता.

नव्या - नई या प्रशंसनीय.

नायरा - चमकदार या उज्ज्वल.

रोशनी - प्रकाश.

सिया - माता सीता का नाम.

तारा - सितारा.

दिया - दीपक या प्रकाश.

अदिति - असीमित, स्वतंत्र.

अनिका - सुंदर और आकर्षक.

आर्या - श्रेष्ठ या सम्मानित.

कियारा - उज्ज्वल या प्रकाशमय.

श्रेया - शुभ और श्रेष्ठ.

इनमें रोशनी, दिया, तारा और आहना जैसे नाम अक्टूबर के उत्सवी माहौल से सहज रूप से जुड़ते हैं।

पतला बेलना ही काफी नहीं, क्रिस्पी खाखरे के लिए करें ये काम, इस ट्रिक से घर पर बनेगा बाजार जैसा कुरकुरा खाखरा



गुजराती खाखरा घर पर गेहूं के आटे और कुछ सामान्य मसालों से आसानी से बनाया जा सकता है. इसे पतला बेलना और धीमी आंच पर दबाते हुए सेंकना कुरकुरेपन के लिए जरूरी है. ठंडा होने के बाद एयरटाइट डिब्बे में रखने से इसकी क्रिस्पी बनावट बनी रहती है.

चाय का कप हाथ में हो और साथ में कुछ हल्का-फुल्का कुरकुरा खाने को मिल जाए तो शाम और भी अच्छी लगती है, अगर रोज के बिस्कुट और नमकीन से मन भर गया है तो गुजराती खाखरा एक स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है. पतला और कुरकुरा खाखरा सिर्फ गुजरात में ही नहीं बल्कि अब कई घरों में पसंद किया जाता है. इसे दही, अचार, हरी चटनी या चाय के साथ आसानी से खाया जा सकता है. बाजार में मिलने वाले खाखरे की तरह इसे घर पर भी तैयार किया जा सकता है.

इसके लिए बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती. बस आटा गूंथने और सेंकने के तरीके पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी है. आइए जानते हैं इसकी आसान रेसिपी.

घर पर गुजराती खाखरा बनाने के लिए सामग्री

खाखरा बनाने के लिए आपको 2 कप गेहूं का आटा, 1 चम्मच तेल, आधा चम्मच नमक, आधा चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा सा हल्दी पाउडर चाहिए. आटा गूंथने के लिए जरूरत के अनुसार पानी लें. खाखरा सेंकने के लिए थोड़ा तेल या घी इस्तेमाल किया जा सकता है।

उदयपुर के टॉप 5 लग्जरी होटल, जहां ठहरेंगे तो लगेगा राजमहल में आ गए, शाही अंदाज में होगा आपका स्टे



उदयपुर अपनी झीलों, महलों और ऐतिहासिक विरासत के साथ शाही ठहराव के लिए भी खास पहचान रखता है. शहर में कई ऐसे लग्जरी होटल हैं, जहां खूबसूरत वास्तुकला, शानदार इंटीरियर और राजसी मेहमाननवाजी का अनुभव मिलता है. अगर आप उदयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं और ट्रिप को यादगार बनाना चाहते हैं, तो इन टॉप 5 लग्जरी होटलों में ठहरना आपके सफर को खास बना सकता है.

राजस्थान का उदयपुर अपनी झीलों, महलों और शाही विरासत के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है. यहां घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए शहर की खूबसूरती के साथ-साथ ठहरने का अनुभव भी खास होता है. उदयपुर में कई ऐसे लग्जरी होटल हैं, जहां पहुंचते ही आपको ऐसा महसूस होगा जैसे आप किसी पुराने राजमहल का हिस्सा बन गए हों. झरोखे, बड़े-बड़े चौक, शाही सजावट, पारंपरिक मेहमाननवाजी और राजस्थानी स्वाद इन होटलों को खास बनाते हैं.

ताज लेक पैलेस: झील के बीच बना ताज लेक पैलेस उदयपुर की सबसे खास पहचान में शामिल है. पिछोला झील के बीच स्थित यह होटल दूर से ही किसी पानी पर तैरते सफेद महल जैसा नजर आता है. यहां पहुंचने के लिए बोट से सफर करना भी अपने आप में एक अलग अनुभव है. होटल के अंदर राजस्थानी वास्तुकला, खूबसूरत झरोखे और झील का शानदार नजारा देखने को मिलता है. यहां से उदयपुर के सिटी पैलेस और आसपास की पहाड़ियों का दृश्य भी बेहद खूबसूरत दिखाई देता है.

द लीला पैलेस उदयपुर: पिछोला झील के किनारे बना द लीला पैलेस भी शाही ठहराव का अनुभव देता है. होटल की डिजाइन में मेवाड़ की कला और वास्तुकला की झलक दिखाई देती है. बड़े-बड़े झरोखे, पारंपरिक सजावट और झील के सामने बने कमरे और डाइनिंग एरिया इसे खास बनाते हैं. यहां आने वाले मेहमानों को राजस्थानी संस्कृति के साथ आधुनिक लग्जरी सुविधाएं भी मिलती हैं.

द ओबेरॉय उदयविलास: पिछोला झील के किनारे फैली हरियाली और शाही वास्तुकला के बीच बना द ओबेरॉय उदयविलास भी उदयपुर के प्रमुख लग्जरी होटलों में गिना जाता है. यहां की डिजाइन में गुंबद, मेहराब, आंगन और पारंपरिक राजस्थानी शैली नजर आती है. होटल का बड़ा परिसर और झील के आसपास का वातावरण इसे शांत और खास ठहरने की जगह बनाता है. यहां का खाना और डाइनिंग एक्सपीरियंस भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का हिस्सा है.

रैफल्स उदयपुर: उदयपुर से कुछ दूरी पर झील किनारे बना रैफल्स उदयपुर भी शाही अंदाज और आधुनिक लग्जरी का मेल दिखाता है. होटल के आसपास हरियाली, झील और अरावली का प्राकृतिक वातावरण देखने को मिलता है. यहां के कमरे, रेस्टोरेंट और खुले एरिया में राजस्थानी वास्तुकला की झलक दिखाई देती है. खास बात यह है कि यहां ठहरने पर शहर की भीड़ से दूर एक शांत और प्रीमियम अनुभव मिलता है.

शिव निवास पैलेस: सिटी पैलेस परिसर का हिस्सा शिव निवास पैलेस उदयपुर की शाही विरासत को करीब से महसूस करने का मौका देता है. पुराने महल की वास्तुकला, आंगन, झरोखे और पारंपरिक सजावट यहां के माहौल को खास बनाते हैं।

पहली फिल्म हो या दसवीं, मेरे लिए स्क्रिप्ट सबसे पहले

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

मुंबई।
आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याद्दाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिल सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा नने है, जिममें एंटरटेनमेंद के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल खावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डांक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह "उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे।

> "मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूं कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके।
> — आयुष्मान खुराना

नए डायरेक्टर्स लाते हैं नई ऊर्जा और ताजगी

आयुष्मान ने कहा, "नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए।"

हर नया डायरेक्टर लाता है अलग एनर्जी

उन्होंने कहा, "हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जोंनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसेंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।"

आकाश के विजन में उतरना चाहता था

आयुष्मान ने कहा, "मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।"



अर्थशॉट प्राइज में अवॉर्ड देंगी आलिया भट्ट, बोलीं- 'यह उम्मीद, आइडिया और एक्शन का जश्न है'



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस आलिया भट्ट मुंबई में होने वाले अर्थशॉट प्राइज का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस इवेंट को उम्मीद, नए आइडिया और बदलाव के लिए किए जा रहे काम का जश्न बताया।

एक्ट्रेस ने कहा कि वह दुनिया भर से आने वाले उन लोगों और संस्थाओं को सेलिब्रेट करने का इंतजार कर रही हैं, जो धरती और पर्यावरण को बचाने के लिए नए और इनोवेटिव तरीके खोज रहे हैं।

आलिया ने एक बयान में कहा, ''अर्थशॉट प्राइज वास्तव में उम्मीद के बारे में है। ऐसी उम्मीद, जो आइडिया, एक्शन और उन लोगों के साथ आती है, जो आगे बढ़ने के नए रास्ते तलाश रहे हैं। यही चीज इस इवेंट का हिस्सा बनने को इतना खास और प्रेरणादायक बनाती है। दुनिया भर में ऐसे लोग हैं, जो हमारे ग्रह को बचाने और उसे फिर से बेहतर बनाने के लिए शानदार काम कर रहे हैं। कई बार वे ऐसे तरीकों से काम करते हैं, जिनकी हमने शायद कभी कल्पना भी नहीं की होगी।''

मुंबई में इस आयोजन के होने को लेकर आलिया ने कहा, ''अलग-अलग देशों से इन सभी लोगों का एक जगह आना बेहद खास है। मुझे गर्व है कि भारत इस खास पल का हिस्सा बन रहा है और मैं उन लोगों को सेलिब्रेट करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो इन समाधानों के पीछे हैं और हम सभी के लिए काम कर रहे हैं।''

आलिया इवेंट में दिए जाने वाले पांच अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स में से एक अवॉर्ड पेश करेंगी। समारोह में दुनियाभर में पर्यावरण से जुड़ी बड़ी चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में करीब 5,000 मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है।

इस खास मौके पर आलिया भट्ट के साथ ऑस्कर विजेता एक्टर रामी मालेक, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और ब्रिटिश एक्ट्रेस और म्यूजिशियन सिमोन एश्ले समेत कई अन्य प्रेजेंटर्स और खास मेहमान भी मौजूद रहेंगे। इस इवेंट की होस्टिंग करण जौहर करेंगे।

अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स नाइट्स इवेंट को दुनियाभर में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शक इस समारोह को देख सकेंगे। इसे 40 से ज्यादा भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा।

फैमिली फंक्शन में साथ दिखीं सुनीता आहूजा और कश्मीरा शाह, एक-दूसरे को बताया 'पावर कपल'



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच अनबन सुर्खियों में है। गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह लगातार अपनी मामी सुनीता आहूजा के समर्थन में खड़ी दिखती हैं। हाल ही में दोनों एक फैमिली फंक्शन में साथ नजर आईं, जहां दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली।

फैमिली फंक्शन में दोनों ने साथ में पैपराजी के सामने पोज दिए और उनसे बात करती भी नजर आईं। पोज देते हुए कश्मीरा ने मजाक में कहा, 'आपने पावर कपल मांगा था न? हम ही पावर कपल हैं। इस पर सुनीता ने तुरंत प्यार से जवाब देते हुए कश्मीरा को अपनी 'पावरफुल बहू' बताया। इस पर कश्मीरा ने आभार जताते हुए कहा, 'आप ही ने सब सिखाया है।'

दरअसल, अभिनेत्री कश्मीरा शाह और उनकी मामी सुनीता के बीच पिछले काफी सालों से मनमुटाव चल रहा था, जिसकी वजह से दोनों परिवार एक-दूसरे से दूर थे। यहां तक कि कश्मीरा की ननद आरती की शादी में सुनीता नहीं गई थी। हालांकि, अप्रैल 2026 में 'लाफ्टर शेफ्स' शो के सेट पर दोनों के बीच का पुराना विवाद आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। कश्मीरा ने सुनीता से माफी मांगी और सुनीता ने भी बड़े दिल से उन्हें माफ कर परिवार को फिर से जोड़ लिया।जब सुनीता शो में कृष्णा और कश्मीरा से मिलीं, तो दोनों ने पुरानी बातों के लिए माफी मांगी। कश्मीरा ने माना कि कई बार उन्होंने सुनीता और गोविंदा से रूखा व्यवहार किया था, जिसके लिए उन्हें अफसोस है।

वहीं, सुनीता ने भी दोनों को माफ कर दिया और गले लगा लिया। यह मुलाकात और भी ज्यादा भावुक हो गई थी, जब सुनीता पहली बार कृष्णा और कश्मीरा के बच्चों रयान और कृषांग से मिली थीं। उसी समय से सुनीता और कश्मीरा के बीच पहले से ज्यादा प्यार और अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिल रही है।

सुनीता और गोविंदा में अनबन के बीच भी कश्मीरा खुलकर अपनी मामी का साथ देती नजर आ रही हैं।

काजी और लव गिल मामले में आम्रपाली के दोहरे रवैये पर गौहर खान ने उठाए सवाल



विश्व केसरी■

मुंबई। रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के हालिया एपिसोड में जमकर हंगामा देखने को मिला। शो में यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की थी, जिस पर आम्रपाली लव गिल का साथा देने बजाय उन पर चिल्ला पड़ीं। अब इस पूरे मामले पर अभिनेत्री गौहर खान ने अपनी प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने आम्रपाली को डबल फेस बताया।

गौहर खान ने पूरे मामले पर अपनी बात को रखते हुए कहा, 'बिग बॉस का हालिया एपिसोड देखा, जिसमें यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की थी कि वो वहां पर खड़ी होकर डांस कर रही हैं। इसके बाद लव गिल ने साफ तौर पर यंग डीएसए से साफ तौर पर कहा था कि भाई, तुम्हारा इस तरह से मेरे डांस पर टिप्पणी करना मुझे अच्छा नहीं लगा। इस पर आम्रपाली लव गिल को ही डांटने लगीं।

उन्होंने आगे कहा, 'आम्रपाली लव गिल से कहती हैं कि तुम्हे पता है न कि यंग डीएसए का तुम्हे लेकर इरादा गलत नहीं था, वो तुम्हारा दोस्त है, तो तुम ऐसे क्यों बोल रहे हो। आम्रपाली उस वक्त लव गिल पर काफी गुस्सा हुई थी और बोली थी कि आप यंग डीएसए के बारे में ऐसे क्यों सोच रही हो।'

'बिग बॉस 20' में काजी तौकीर ने कनिका मान और अन्य घरवालों से बातचीत के दौरान गलती से अपशब्द का इस्तेमाल किया था, जिस पर आम्रपाली ने उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करने की नसीहद दी थी।

इस बात पर गौहर खान ने कहा, 'तो फिर, जब काजी ने पहले ही साफ किया था कि उसने उस शब्द का इस्तेमाल किया था लेकिन उसका गलत इरादा नहीं था। फिर आम्रपाली जी आप जाकर काजी को बोल रही थी कि अगर आपका गलत इरादा नहीं था और किसी को उससे दिक्कत हो रही है, तो आप मत बोलिए। गौहर खान ने साफ किया कि आम्रपाली दुबे एक तरफ यंग डीएसए का साथ दे रही हैं कि उसका इरादा गलत नहीं है और दूसरी तरफ काजी को गलत बता रही हैं।

'अर्जुन बेवकूफ' से जुड़ा प्रयागराज का खास कनेक्शन, संजय मिश्रा बोले- 'मेरी इच्छा थी यहीं से शुरू हो फिल्म का सफर'

विश्व केसरी■

मुंबई। संजय मिश्रा और राजेश तैलंग अपनी फिल्म 'अर्जुन बेवकूफ' को लेकर चर्चा में हैं। इसका टीजर 26 सितंबर को प्रयागराज में लॉन्च किया गया। इस मौके पर भले ही दोनों कलाकार वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन उन्होंने शहर और वहां के लोगों के लिए अपना खास लगाव जाहिर किया।

संजय मिश्रा ने कहा कि उनकी इच्छा थी कि फिल्म 'अर्जुन बेवकूफ' का सफर प्रयागराज से शुरू हो और वह खुद इस शुरुआत के गवाह बनें, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

संजय मिश्रा ने अपने बयान में अपनी एक पुरानी इच्छा का जिक्र करते हुए कहा, ''मेरी जिंदगी में एक इच्छा थी कि पहली बार जब मैं मुंबई में समुद्र देखूं, तो वह पल खास हो। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वह इच्छा बस इच्छा ही रह गई और मैंने पहली बार समुद्र कन्याकुमारी में देखा। इसी तरह मेरी इच्छा थी कि 'अर्जुन बेवकूफ' का सफर प्रयागराज से शुरू हो और उस शुरुआत के समय मैं वहां मौजूद रहूं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पाया।''

संजय ने फिल्म को सपोर्ट करने के लिए प्रयागराज और यहां के लोगों का शुक्रिया भी अदा किया। उन्होंने कहा, ''प्रयागराज के उन सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने 'अर्जुन बेवकूफ' को सपोर्ट किया है। बहुत-बहुत धन्यवाद। 'अर्जुन बेवकूफ' जिंदाबाद! वहीं, राजेश तैलंग ने भी प्रयागराज के प्रति अपना खास लगाव जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''प्रयागराज ऐसी पवित्र धरती है।

अभिषेक की फिल्म 'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुईं शिवालिका ओबेरॉय, कहा-कल दुनिया देखेगी

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूज' रिलीज होने के लिए तैयार है। गुरुवार को फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया।

अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातें और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है।

कल दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूं और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।'



क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' में एक बार फिर अजय देवगन विजय सलगांवकर के रोल में लौट रहे हैं। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

'दृश्यम 3: द कंक्लूजन' दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है, जो विजय सलगांवकर (हिंदी) के परिवार और पुलिस के बीच के सस्पेंस और माइंड गेम के आखिरी अध्याय को समेटती है। यह फिल्म पिछले अनसुलझे रहस्यों, परिवार की सुरक्षा और पुलिस की अंतिम कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

पिछली फिल्मों के विपरीत यह फिल्म किसी मलयालम वर्जन की रीमेक नहीं है बल्कि इसकी एक मौलिक (ओरिजिनल) कहानी है जो सीरीज का अंत करेगी। इस बार विजय सालगांवकर के सामने पुलिस और कानून की तरफ से पहले से कहीं अधिक खतरनाक और नए चेहरे (जैसे जयदीप अहलावत का किरदार) खड़े हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर को थिएटर में रिलीज होगी। अब देखना होगा कि इस फिल्म को दर्शक किस तरह का रेस्पॉन्स देंगे।

फ्रांस में नौसेना का त्रिशूल, 'वरुण' में दिखी भारत-फ्रांस की समुद्री साझेदारी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच होने वाला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'वरुण' एक बार फिर दोनों देशों की मजबूत समुद्री साझेदारी का प्रतीक बना है। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल फ्रांस के टूलॉन बंदरगाह पहुंचा। यहां भारतीय युद्धपोत ने अभ्यास 'वरुण' के 24वें संस्करण में हिस्सा लिया।

अभ्यास में एनएच90 हेलीकॉप्टरों और अटलांटिक-2 समुद्री गश्ती विमानों ने भी हिस्सा लिया। दोनों नौसेनाओं ने पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह पर मौजूद लक्ष्यों के खिलाफ अभियान और वास्तविक फायरिंग अभ्यास किए। इसके अलावा दोनों नौसेनाओं के हेलीकॉप्टरों की एक-दूसरे के जहाजों पर उतरने की गतिविधियां भी की गईं। इन अभ्यासों से समुद्र में दोनों नौसेनाओं के बीच संचालन क्षमता, तालमेल और आपसी समझ को और बेहतर करने का अवसर मिला। सबसे पहले टूलॉन पहुंचने पर फ्रांसीसी नौसेना ने आईएनएस त्रिशूल का गर्मजोशी से स्वागत किया। जहाज को औपचारिक जल तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद बंदरगाह चरण में दोनों नौसेनाओं के बीच पेशेवर, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ, समुद्री सहयोग और पेशेवर संबंधों को और मजबूत करना था। आईएनएस त्रिशूल के कमांडिंग ऑफिसर ने फ्रांसीसी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने रियर एडमिरल मैकारा ऊक, संचालन के लिए उपकमांडर-इन-चीफ से भी मुलाकात की। इस दौरान समुद्री अभियानों और दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। फ्रांस यात्रा के दौरान आईएनएस त्रिशूल के कमांडिंग ऑफिसर, अधिकारियों और जवानों ने मार्सेय के मजार्ग युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस स्मारक पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले 205 भारतीय सैनिकों की स्मृति जुड़ी है।

यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सैन्य संबंधों की याद भी दिलाता है। भारतीय नौसैनिकों ने इन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर उनके बलिदान को नमन किया। अभ्यास के दौरान दोनों नौसेनाओं के जवानों और अधिकारियों ने एक-दूसरे के जहाजों का दौरा किया। आईएनएस त्रिशूल के चालक दल ने फ्रांसीसी नौसेना के प्रमुख युद्धपोतों चार्ल्स द गॉल, फोर्बिन और ला फायेत्ते का दौरा किया।

दुबई में स्मित के परिजनों से मिले भारतीय राजदूत

विश्व केसरी■



दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के राजदूत दीपक मित्तल और दुबई के कॉन्सल जनरल (महावाणिज्य दूत) ई. विष्णु वर्धन रेड्डी ने फ्लाइट एफजेड 1073 में जान पर खेलकर 174 लोगों की जिंदगी बचाने वाले कैप्टन स्मित मच्छार के परिवार से मुलाकात की।

यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शॉर्ट मैसेज जारी कर इसकी जानकारी दी। इसमें लिखा गया, 'यूएई में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल और कॉन्सल जनरल डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी ने कैप्टन स्मित मच्छार के परिवार से मुलाकात की।'

इसके साथ ही उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि दूतावास और वाणिज्य दूतावास लगातार मदद करते रहेंगे और यूएई के अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेंगे। साथ ही, उन्होंने लोगों की जान बचाने में कैप्टन मच्छार की हिम्मत और प्रयासों की सराहना की।

बुधवार को दुबई से तेलअवीव जा रहे फ्लाई दुबई के विमान को क्रैश कराने की कोशिश को भारतीय मूल के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने नाकाम कर दिया था। इस साहसिक कार्य में वो बुरी तरह घायल भी हुए और कुछ सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में खून से लथपथ भी दिखे। घायलावस्था में भी कॉकपिट का दरवाजा खोलने तक उनकी भूमिका अहम रही जिसने कई लोगों की जान बचाई।

उनकी कोशिशें रंग लाई और सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग कराई गई। फिलहाल स्मित अस्पताल में भर्ती हैं।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तानी हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 9 की मौत

विश्व केसरी■



काबुल। अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में पाकिस्तानी सेना के हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 9 नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने गुरुवार को हमले की जानकारी देते हुए बताया कि हमलों में आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया। मुजाहिद ने इसे 'आक्रामक कार्रवाई' बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने कहा कि हमला बुधवार रात कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गर्मसेर जिले के सफर इलाके में किया गया। उनके मुताबिक, हमले में नागरिक मारे गए और घायल हुए, जबकि तीन घर तबाह हो गए। मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'बीती रात पाकिस्तानी विमानों ने कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम और हेलमंद के गरमसेर जिले के सफर इलाके में आम लोगों के घरों पर बमबारी की। महिलाओं और बच्चों समेत नौ अफगान नागरिक मारे गए, 11 घायल हुए और तीन घर तबाह हो गए। हम इस कार्रवाई की सभी मान्य सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाली आक्रामकता और अपराध के रूप में निंदा करते हैं। यह ताजा घटना ऐसे समय सामने आई है, जब हाल के दिनों में अफगानिस्तान के कई प्रांतों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी हवाई हमले किए जाने के आरोप सामने आए हैं।

गौतमबुद्ध नगर में 'नो पीयूसी, नो पेट्रोल' लागू, बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के नहीं मिलेगा ईंधन

विश्व केसरी■



नोएडा। ठंड की दस्तक के साथ दिल्ली-एनसीआर में हर साल प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है। इसी को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए गुरुवार से 'नो पीयूसी, नो पेट्रोल' व्यवस्था लागू कर दी गई है। इसके तहत ऐसे वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा, जिनके वाहन का वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) उपलब्ध नहीं है। पेट्रोल पंपों पर वाहन में ईंधन भरने से पहले उसके पीयूसी की जांच की जा रही है। नई व्यवस्था के तहत पेट्रोल पंप कर्मी खाद्य एवं रसद विभाग की एप के माध्यम से वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र की स्थिति की जांच कर रहे हैं। एप पर वाहन का पीयूसी वैध पाए जाने के बाद ही पेट्रोल देने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। यदि वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं है या उसकी वैधता समाप्त हो चुकी है तो वाहन चालक को ईंधन नहीं दिया जा रहा है। पेट्रोल पंप कर्मियों के मुताबिक, पहले दिन से ही इस व्यवस्था को लागू करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। वाहन चालक के पेट्रोल लेने पहुंचने पर कर्मचारी एप में वाहन की जानकारी दर्ज कर उसका पीयूसी स्टेटस देख रहे हैं। वैध प्रमाणपत्र होने पर सामान्य तरीके से ईंधन दिया जा रहा है, जबकि पीयूसी नहीं होने की स्थिति में वाहन चालक को प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, पहले दिन एप में तकनीकी दिक्कत आने की बात भी सामने आई है। पेट्रोल पंप कर्मियों का कहना है कि कई बार एप पर वाहन की जानकारी या पीयूसी की स्थिति तत्काल प्रदर्शित नहीं हो रही है।

चीन के नेशनल डे पर जयशंकर ने वांग यी और चीनी लोगों को दी शुभकामनाएं

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी और चीनी लोगों को 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' की स्थापना की सालगिरह पर शुभकामनाएं दी। इस दिन को चीन में नेशनल डे के रूप में भी मनाया जाता है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की सालगिरह पर पोलित ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी तथा चीन के लोगों को मेरी शुभकामनाएं।'

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) की स्थापना की सालगिरह हर साल एक अक्टूबर को मनाई जाती है। इसी दिन 1949 में माओत्से तुंग ने औपचारिक रूप से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की घोषणा की थी। जयशंकर का यह संदेश ऐसे समय आया है, जब हाल के दिनों में भारत और चीन के रिश्तों में सुधार देखने को मिला है। इससे पहले न्यूयॉर्क की अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर ने कहा था कि लंबे समय तक चले सीमा तनाव के सबसे खराब दौर के मुकाबले भारत-चीन रिश्तों में सुधार हुआ है। हालांकि, उन्होंने साफ किया था कि दोनों देशों के रिश्ते कितने सामान्य हो पाएंगे, यह सीमा पर हालात पर निर्भर करेगा।

जयशंकर ने कहा था कि भारत-चीन संबंध 2025 के मुकाबले अब बेहतर हैं और 2024 की तुलना में स्थिति में ज्यादा सुधार हुआ है। हालांकि, उन्होंने इस सुधार को दोनों देशों के रिश्तों में किसी बुनियादी बदलाव के तौर पर देखने से आगाह किया।

जयशंकर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह कोई बुनियादी बदलाव है। यह इस बात से ज्यादा जुड़ा है कि रिश्ते जितने खराब हो गए थे, वहां से अब उनमें सुधार हो रहा है।

भारत के साथ रक्षा और स्पेस सेक्टर में सहयोग बढ़ाना चाहता है पोलैंड : आंद्रेज डोमान्स्की

विश्व केसरी■



मिल्वौकी। पोलैंड को भारत के साथ रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाएं नजर आ रही हैं। पोलैंड के वित्त और अर्थव्यवस्था मंत्री आंद्रेज डोमान्स्की ने कहा कि उनका देश स्पेस सेक्टर में अपना निवेश दोगुना कर रहा है और पोलिश स्पेस कंपनियों को भारत लाने की योजना भी बना रहा है।

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक से अलग आईएएनएस को दिए एक खास इंटरव्यू में डोमान्स्की ने कहा कि रक्षा, अंतरिक्ष, मशीनरी और फूड प्रोसेसिंग ऐसे क्षेत्र हैं, जहां भारत और पोलैंड आर्थिक सहयोग को और बढ़ा सकते हैं।

डोमान्स्की ने कहा, 'एक ऐसे देश के तौर पर जो तेजी से अपने रक्षा उद्योग को विकसित कर रहा है, हमारा मानना है कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग की काफी गुंजाइश है। डोमान्स्की ने अंतरिक्ष क्षेत्र को भी दोनों देशों के बीच सहयोग के एक नए और अहम क्षेत्र के तौर पर बताया। उन्होंने कहा कि हमने स्पेस इंडस्ट्री में अपना निवेश दोगुना करने का भी फैसला किया है। हम निश्चित रूप से अपनी स्पेस कंपनियों को भारत लेकर आएंगे।

डोमान्स्की ने कहा कि मशीनरी सेक्टर भी दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को आगे बढ़ाने का एक बड़ा मौका देता है। उन्होंने कहा कि हम मशीनरी के क्षेत्र में काफी मजबूत हैं, इसलिए यह भी आगे सहयोग बढ़ाने वाला एक क्षेत्र है। पोलैंड फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में भी भारत के साथ कारोबार बढ़ाने की संभावनाएं देख रहा है।

डोमान्स्की ने कहा, 'फूड प्रोसेसिंग भी एक अहम क्षेत्र है। पोलैंड खाद्य उत्पादों का बड़ा निर्यातक है।

पिथौरागढ़ के पहाड़ों में भारत-मंगोलिया ने आतंकवाद रोधी अभियानों की ट्रेनिंग की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत और मंगोलिया की सेनाएं संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही हैं। अभ्यास के दौरान युद्ध कौशल और ऑपरेशनल तालमेल पर काम किया जा रहा है। भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलीफेंट 2026' का 18वां संस्करण पिथौरागढ़ स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में चल रहा है।

इस अभ्यास में भारतीय सेना और मंगोलियाई सेना के जवान साथ मिलकर प्रशिक्षण ले रहे हैं। दोनों सेनाओं का मुख्य ध्यान अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद रोधी अभियानों पर है। ऐसे इलाकों में अभियान चलाते समय सैनिकों को अलग-अलग परिस्थितियों में तेजी से निर्णय लेने और एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की जरूरत होती है। अभ्यास के दौरान दोनों देशों के सैनिक विभिन्न सामरिक अभ्यास कर रहे हैं। इसके साथ ही संयुक्त अभियान की योजना बनाने और उसे प्रभावी तरीके से लागू करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

दोनों सेनाएं अपने अनुभव और बेहतर कार्यप्रणालियां एक-दूसरे के साथ साझा कर रही हैं। 'नोमैडिक एलीफेंट' का यह संस्करण केवल सैन्य अभ्यास तक सीमित नहीं है। इसके जरिए दोनों सेनाओं के जवान एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को करीब से समझ रहे हैं। साथ मिलकर प्रशिक्षण लेने से आपसी विश्वास और पेशेवर संबंधों को भी मजबूती मिल रही है। अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच साथ मिलकर अभियान चलाने की क्षमता, परिचालन तालमेल और आपसी समझ को बढ़ाना है। पहाड़ी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आतंकवाद रोधी अभियानों पर संयुक्त प्रशिक्षण दोनों सेनाओं को वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर समन्वय के लिए तैयार करने में मदद करता है।

डीआरआई ने तेंदुए की खाल के अवैध कारोबार का किया भांडाफोड़

विश्व केसरी■



मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गुरुवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र में तेंदुए की खाल के अवैध व्यापार में शामिल एक गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है।

डीआरआई की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के अंतर्गत नागपुर क्षेत्रीय इकाई (नारू) ने 29 सितंबर को राज्य के गोंदिया जिले के पुरादा गांव के पास यह अभियान चलाया।

अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान दो व्यक्तियों को तेंदुए की खाल की अवैध खरीद-फरोख्त में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस) वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची प्रथम के अंतर्गत सूचीबद्ध है, जो ऐसे जानवरों और उनके उत्पादों के व्यापार पर रोक लगाता है।

तदनुसार, बरामद तेंदुए की खाल को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया।

जब्ती की औपचारिकताएं पूरी होने पर गिरफ्तार व्यक्तियों को जब्त की गई तेंदुए की खाल के साथ उत्तरी देवरिया रेंज, गोंदिया के वन रेंज अधिकारी को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया।

इस अभियान के साथ, डीआरआई नारू ने हाल ही में पूरे देश में कई अवैध वन्यजीव तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिनमें तेंदुए की खाल (उज्जैन), बाघ की हड्डियां (सेओनी), पैंगोलिन के शल्क (पिलरू और जगदलपुर) और हाथी दांत (मैसूरु) शामिल हैं।

कर्नाटक में पिछले एक अभियान में डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु के गांधीनगर के पास एक व्यक्ति को रोका और उसके सामान की तलाशी लेने पर छह कपड़े के कवर में छिपाए गए 180 जीवित भारतीय तारा कछुए बरामद हुए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारतीय तारा कछुए के खोल पर मौजूद आकर्षक तारे जैसी आकृति इसे विदेशी पालतू जानवरों और वन्यजीव संग्राहकों के बाजारों में विशेष रूप से आकर्षक बनाती है।

केरल में छात्रों का विरोध, कन्नूर में मंत्री जनीश की गाड़ी पर हमला

विश्व केसरी■



कन्नूर। कन्नूर जिले में गुरुवार को अलग-अलग जगहों पर केरल के खेल मंत्री ओजे जनीश की सरकारी गाड़ी को विरोध और हमलों का सामना करना पड़ा। आरोप है कि ये हमले सीपीआई-एम की युवा शाखा डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने किए।

इस घटना ने मंत्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहली घटना तालिपरांबा के कुप्पम में हुई, जब जनीश कन्नूर में पुरातत्व विभाग से जुड़े एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कासरगोड जा रहे थे। आरोप है कि डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) कार्यकर्ताओं ने गाड़ी को रोका और उस पर पत्थरों और हाथों से हमला किया।

इस हमले में गाड़ी का झंडा लगाने वाला पोल और रेन गार्ड क्षतिग्रस्त हो गए। मंत्री के साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों और पुलिस अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

गाड़ी को पय्यानूर और कासरगोड के रास्ते में कई जगहों पर और भी विरोध का सामना करना पड़ा। पय्यानूर पार करने के तुरंत बाद, गाड़ी पर फिर से हमला किया गया। ये घटनाएं कासरगोड बॉर्डर तक होती रहीं। कांग्रेस नेताओं ने बार-बार हुए इन हमलों को सुरक्षा में गंभीर चूक बताया और कहा कि मंत्री की गाड़ी पर कम समय में दो बार सीधे हमले किए गए।

ये घटनाएं तब हुईं जब डीवाईएफआई नेता और एमएलए एम. विजिन ने कहा था कि उनका संगठन मंत्री के बयानों का सड़कों पर विरोध करेगा। यूथ कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष जनीश ने तिरुवनंतपुरम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा के खिलाफ एक विरोध मार्च का नेतृत्व किया था।

आसमान में हीरो बने कैप्टन स्मित मच्छार, राष्ट्रपति मुर्मु से लेकर केंद्रीय मंत्रियों ने किया बहादुरी को सलाम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आसमान में एक बड़ी त्रासदी को टालने वाले कैप्टन स्मित मच्छार आज पूरी दुनिया के लिए हीरो बन गए हैं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद जिस अदम्य साहस और सूझबूझ के साथ उन्होंने 174 यात्रियों की जान बचाई, उसकी चर्चा आज हर तरफ हो रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से लेकर केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तक ने कैप्टन की वीरता को सलाम किया है और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

दरअसल, फ्लाइट के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए, बावजूद इसके उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बताया जा रहा है कि हमले के बाद उनका विमान अचानक 14,000 फीट नीचे गिर गया था। ऐसे मुश्किल और जानलेवा हालात में भी कैप्टन ने विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया और एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'देश को कैप्टन स्मित मच्छार पर गर्व है। उनकी वीरता और मुश्किल समय में सूझ-बूझ ने हम सभी का दिल जीत लिया है। गंभीर खतरे के बीच बुरी तरह घायल होने के बावजूद, वे दूसरों की जान बचाने के लिए डटे रहे। उनकी बहादुरी और तुरंत कार्रवाई ने एक बड़ी त्रासदी को टालने और कई कीमती जानें बचाने में मदद की। मैं उनके अदम्य साहस को सलाम करती हूं। मैं उनके जल्द ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'

वहीं, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरा देश कैप्टन स्मित मच्छरा के साथ खड़ा है और उनके असाधारण साहस पर गर्व करता है। अपनी जान जोखिम में डालकर, उन्होंने कर्तव्य और सेवा की सर्वोच्च परंपराओं का पालन किया और विमान में सवार सभी लोगों की जान बचाने में मदद की। उनका साहस, संयम और कर्तव्य-बोध देश के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

श्रीलंका को 124 रनों से हराकर टीम इंडिया ने किया फाइनल में प्रवेश, रिकॉर्ड्स की लगाई झड़ी



विश्व केसरी ■

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 124 रनों से हराया। इस बड़ी जीत के साथ ही टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया है।

भारतीय टीम ने मेंस टी20 इंटरनेशनल के किसी भी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल या फाइनल में रनों के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। टीम इंडिया ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले, भारत ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया था।

मेंस टी20 इंटरनेशनल में 100 से ज्यादा रनों से सर्वाधिक जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के नाम हो गया है। टीम इंडिया ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 11वीं बार 100 से ज्यादा रनों की जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने इस मामले में कनाडा (10) को पीछे छोड़ा है। वहीं, श्रीलंका की यह टी20 इंटरनेशनल में रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। भारत से मिले 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 45 रन बनाकर सिमट गई। यह टी20 इंटरनेशनल में फुल मेंबर देशों की तरफ से संयुक्त रूप से न्यूनतम स्कोर है। श्रीलंका की तरफ से महज नुवानिदु फर्नांडो ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके और उन्होंने सर्वाधिक 15 रन बनाए।



भारतीय हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई



विश्व केसरी ■

काकामिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन ने अब एक और मेडल पक्का कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और मैच के अधिकांश समय में भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा था। मैच के आखिरी हाफ में पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी मिनट में अभिषेक के किए गोल ने न सिर्फ पाकिस्तान पर भारत को जीत दिलाई बल्कि एशियन गेम्स 2026 के फाइनल का टिकट भी दिलाया।

भारत 3-0 की बढ़त के साथ आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने आखिरी मिनट में निर्णायक गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की और पांचवें मिनट में उसे पहला गोल मिला। कई पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बाद, हरमनप्रीत सिंह ने पाकिस्तान के गोलकीपर मुनीब-उर-रहमान रजा के पैरों के बीच से गेंद को गोल में डालकर भारत को बढ़त दिलाई।

हरमनप्रीत ने 13वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को जबरदस्त शॉट के साथ गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। इससे पहले भारत ने गेम पर अपना दबदबा बनाए रखा था।

शुरुआती क्वार्टर में पाकिस्तान को भारत की चालों का सामना करने में मुश्किल हुई, लेकिन ब्रेक के बाद खेल बदल गया। सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट में स्कोर 3-0 कर दिया। यह मूव मनप्रीत सिंह के गेंद पर कब्जा करने से शुरू हुआ था, जिसके बाद शिलानंद लाकड़ा बाईं ओर से आगे बढ़े और गोल के सामने गेंद भेजी।

हाफ-टाइम से ठीक पहले पाकिस्तान ने मैच में वापसी की, जब अबू महमूद ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को 3-1 कर दिया। हाफ-टाइम के बाद भी खेल का रुख बदलता रहा। 45वें मिनट में हनान शाहिद ने एक और गोल किया। आखिरी क्वार्टर शुरू होने के तीन मिनट बाद पाकिस्तान ने वापसी की। राणा वहीद ने दाईं ओर से आई गेंद को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। तीन गोल की बढ़त के बावजूद भारत पर अब शूटआउट का खतरा मंडराने लगा था। अभिषेक ने कुछ ही सेकंड बाकी रहते चौथा गोल दागकर मैच का फैसला कर दिया।

फाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

प्रीतम सिवाच ने भारतीय टीम को दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रीतम सिवाच की गिनती भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज खिलाड़ियों में की जाती है। प्रीतम का इंटरनेशनल करियर उपलब्धियों से भरा रहा। बतौर खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद उन्होंने कोच के तौर पर भी भारतीय महिला हॉकी को बुलंदियों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। प्रीतम सिवाच का जन्म 2 अक्टूबर, 1974 को गुरुग्राम के पास स्थित झाड़सा गांव में हुआ। प्रीतम को शुरुआत से ही हॉकी के खेल में खास दिलचस्पी थी। उन्होंने महज 13 साल की उम्र में ही हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। हालांकि, प्रीतम के हॉकी खेलने पर उन्हें और उनके परिवार को गांव के लोग जमकर ताने दिए करते थे, लेकिन प्रीतम मानो मन में इस खेल में कुछ हासिल करने का ठान चुकी थीं।

प्रीतम जब 10वीं कक्षा की छात्रा थीं, तो परिवार उनकी शादी कराना चाहता था। हालांकि, प्रीतम ने खुद के लिए दो साल का समय मांगा। इसके बाद प्रीतम ने अपना पूरा ध्यान हॉकी खेलने पर लगाया। 1990 में प्रीतम ने पहली बार नेशनल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और टूर्नामेंट की बेस्ट खिलाड़ी बनकर उभरीं।

भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल,



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया।

तीसरा गेम चान सिन ने 11-6 से जीता, तो चौथे गेम को 13-11 और पांचवें गेम को 12-10 से जीता। इस जीत के साथ हांगकांग ने मैच में 1-0 की बढ़त बना ली।

हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया।

पहले गेम में तन्वी को 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम 13-11, तीसरा गेम 11-9 और 13-11 से जीता।

निर्णायक मुकाबले में जोशना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गईं। हो त्जे ने पहला गेम 11-4 से अपने नाम किया।

इसके बाद दूसरे गेम में भी हांगकांग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को 11-7 से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आईं और उन्होंने 11-9 से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया।

वहीं, भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। एशियन गेम्स 2026 में स्क्वैश में यह चौथा मेडल है। इससे पहले, भारत व्यक्तिगत स्पर्धा में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था, जबकि मिक्स्ड डबल्स में जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी सिल्वर मेडल जीतने में सफल रही थी।

रेसलर नितेश सिवाच ने जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

नागोयाई। एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को भारत के नितेश सिवाच को ग्रीको-रोमन कुश्ती के फाइनल में सिल्वर मेडल के साथ संतोष करना पड़ा। नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में नितेश को पुरुषों के 97 किग्रा फाइनल में जापान के यूरी नकाजातो के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा।

भले ही नकाजातो ने भारत को गोल्ड मेडल जीतने से रोक दिया, लेकिन नितेश का फाइनल तक का सफर एक बड़ी कामयाबी थी। वह साल 1962 के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में ग्रीको-रोमन कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। एशियन गेम्स 1962 में मारुति माने ने इसी वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था।

जापानी प्रतिद्वंद्वी शुरू से ही मुकाबले पर हावी रहने के लिए दृढ़ था और नितेश को अपनी पकड़ बनाने में संघर्ष करना पड़ा। पहले राउंड के बीच में नितेश को पैसिविटी के लिए पेनाल्टी मिली, जिससे नकाजातो ने दो प्वाइंट्स के साथ अपना खाता खोला। इसके बाद भारतीय पहलवान डिफेंसिव स्थिति में आ गए, क्योंकि जापानी पहलवान अपनी बढ़त बढ़ाना चाहता था, लेकिन नितेश ने काफी प्रतिरोध दिखाया और अंतर को बढ़ने नहीं दिया।

ब्रेक के समय 0-2 से पीछे चल रहे नितेश को शेष तीन मिनटों में बड़ी वापसी की जरूरत थी। इसके बजाय, नकाजातो ने मुकाबले की गति पर नियंत्रण बनाए रखा और भारतीय पहलवान को आक्रामक लय बनाने का कोई मौका नहीं दिया।

जापानी पहलवान ने नितेश को गिराकर अपनी बढ़त 4-0 कर ली और फिर कुछ देर के लिए उन्हें पिन करके मुकाबला खत्म करने की कोशिश की। नितेश ने प्रतिरोध किया और मुकाबले में बने रहे, लेकिन नकाजातो के नियंत्रण ने भारतीय पहलवान के लिए देर से वापसी की बहुत कम गुंजाइश छोड़ी। आखिरकार जापानी पहलवान ने मुकाबला जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया और नितेश को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

नितेश ने क्वार्टर फाइनल में तुर्कमेनिस्तान के अमनबेर्डी अगामामेदोव को 7-1 से हराकर अपने नॉकआउट अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने मंगोलिया के गनबातारिन गनखुयाग के खिलाफ और भी शानदार प्रदर्शन करते हुए ।

गणेश मणि रत्नम ने आर्चरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता



विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय कंपाउंड आर्चर गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को पुरुषों के व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनकी सफलता के बाद आर्चरी में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई है। गणेश ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में वियतनाम के कांग डुक डांग को 149-144 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

गणेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 बार '10' का स्कोर किया और लगातार तीन बार '10' के साथ 149 का स्कोर बनाकर अपने प्रतिद्वंद्वी से बढ़त बना ली। आइची-नागोया में यह उनका दूसरा मेडल है। इससे पहले बुधवार को उन्होंने पुरुषों की टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था।

भारत ने कंपाउंड आर्चरी प्रतियोगिता का समापन टीम इवेंट में तीन गोल्ड मेडल और व्यक्तिगत इवेंट में एक ब्रॉन्ज मेडल के साथ किया।

इससे पहले, भारत की चिकिथा तनिपार्थी क्वार्टर-फाइनल में इंडोनेशिया की नुरिसा डियान अशरीफाह से 144-143 के करीबी अंतर से हारकर महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट से बाहर हो गईं।

शुरुआती दो राउंड में चिकिथा पीछे थीं, लेकिन तीसरे राउंड में उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बना ली। हालांकि, आखिरी राउंड में 8, 9, 10 का स्कोर भारी पड़ा, क्योंकि नुरिसा ने 10, 10, 9 का स्कोर करके मुकाबला जीत लिया।

आइची-नागोया 2026 में व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट्स की दोनों कैटेगरी में भारत हांगझोऊ 2023 में जीते गए अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने में नाकाम रहा। पिछले एशियन गेम्स में भारतीय कंपाउंड आर्चर्स ने सभी पांच गोल्ड मेडल जीते थे।

चिकिथा ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की टीम इवेंट में गोल्ड और मिक्स्ड टीम का खिताब जीतने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक कोटा भी हासिल किया। बुधवार को चिकिथा, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने चीन को 238-234 से हराकर अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखा। भारत ने इस इवेंट में 2018 में सिल्वर और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

चिकिथा ने साहिल जाधव के साथ मिलकर कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट का भी गोल्ड मेडल जीता। इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए कोटा भी मिल गया, जहां यह खेल पहली बार ओलंपिक में शामिल होगा।

इसके अलावा, साहिल ने पुरुषों की टीम इवेंट में भी अपना दूसरा गोल्ड मेडल जीता।

कुशल दलाल, साहिल और गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने शानदार वापसी करते हुए चीन को हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

सिल्वर मेडल कड़ी मेहनत का इनाम: एंसी सोजन

विश्व केसरी ■

नागोया। भारतीय एथलीट एंसी सोजन ने कहा कि थकान और किस्मत की वजह से वह सिर्फ दो सेंटीमीटर से अपना पहला एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने से चूक गईं। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर मेडल जीतना मेरी कड़ी मेहनत का इनाम है।

बारिश वाली शाम को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की टॉप लॉन्ग जंपर (लंबी कूद की खिलाड़ी) ने शुरुआत में तो आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन आखिर में वह दूसरे स्थान पर आ गईं। एंसी ने अपनी आखिरी तीन जंप में थकान और फिसलन भरे ट्रैक का सामना किया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुईं।

'साई मीडिया' के साथ खास बातचीत में एंसी ने कहा, 'मैं आगे चल रही थी और भगवान से प्रार्थना कर रही थी कि वे मुझे निराश न करें। मुझे लगा कि 6.55 मीटर कुछ भी नहीं है और मैं 6.60 मीटर से ज्यादा की कोशिश कर रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। दुर्भाग्य से वह दिन मेरा नहीं था और मेरे पास अपनी किस्मत को स्वीकार करने के अलावा कोई चारा नहीं था। एंसी ने कहा, 'एशियन गेम्स का सिल्वर मेडल इस सीजन में मेरी कड़ी मेहनत का इनाम है। यह बहुत लंबा सीजन था और मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैंने कड़ी टक्कर दी और आइची-नागोया में अपना 100 प्रतिशत दिया, लेकिन वह दिन मेरा नहीं था। एंसी के लिए 2026 एक शानदार साल रहा है। केरल के त्रिशूर की रहने वाली 25 वर्षीय एंसी ने एशियाई इनडोर चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल के साथ शुरुआत की और एशियन गेम्स में अपने दूसरे सिल्वर मेडल के साथ समापन किया।



एक बड़ी उपलब्धि तब मिली जब एंसी ने भुवनेश्वर में नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.88 मीटर की शानदार जंप लगाई और अंजू बॉबी जॉर्ज के 6.83 मीटर के 22 साल पुराने भारतीय नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ा। जब एंसी और शैली सिंह आइची-नागोया में मुकाबला कर रही थीं, तो वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट अंजू ट्रैक के पास मौजूद थीं। एंसी ने कहा, 'वह मेरे पास आईं और मुझे अपनी लैंडिंग को और आगे बढ़ाने के टिप्स दिए। उन्होंने मेरा बहुत हौसला बढ़ाया और मुझे यह बहुत अच्छा लगा।

स्वच्छ भारत मिशन के 12 साल: एआई, रोबोट और ईवी से बदल रही शहरों की सफाई व्यवस्था



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन के 12 साल पूरे होने से पहले गुरुवार को जारी एक सरकारी फैक्टशीट में बताया गया कि शहर साफ-सफाई सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल प्लेटफॉर्म और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बयान में कई उदाहरण देते हुए कहा गया कि स्थानीय निकाय कचरे और जल-निकायों के प्रबंधन के लिए एआई से लेकर ईवी तक के साधनों का इस्तेमाल करके सुरक्षित, साफ और ज्यादा कुशल तरीके अपना रहे हैं।

रायपुर नगर निगम ने यूपीवाईओजी प्लेटफॉर्म पर आधारित एक डिजिटल 'फिकल स्लज मैनेजमेंट' (एफएसएम) डैशबोर्ड प्रोटोटाइप पेश किया। यह प्लेटफॉर्म आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स और नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन से जुड़ा है।

यह सिस्टम निवासियों को ऑनलाइन डी-स्लजिंग (सेप्टिक टैंक की सफाई) सेवाएं बुक करने, डिजिटल रूप से भुगतान करने और प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से ट्रैक करने की सुविधा देता है। पहले, सेप्टिक टैंक की सफाई सेवाओं के लिए उन्हें नगर निगम कार्यालय जाना पड़ता था।

जैसे ही कोई निवासी अपना मोबाइल नंबर या प्रॉपर्टी आईडी डालता है, सिस्टम अपने-आप पता ढूंढ लेता है। बयान में बताया गया कि एक सिंगल-पेज फॉर्म के जरिए डी-स्लजिंग सेवा बुक की जा सकती है। काम पूरा होने के बाद ड्राइवर तस्वीरें अपलोड करते हैं, और डैशबोर्ड शहर को वाहनों की निगरानी करने और संसाधनों की योजना बेहतर ढंग से बनाने में भी मदद करता है। डिजिटल निगरानी, ??सीवर की मैन्युअल (हाथ से) सफाई से मशीनीकृत सफाई की ओर बढ़ने में मदद करती है।

तिरुवनंतपुरम म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अमायिझानचन नहर की सफाई के लिए एआई-पावर्ड नहर-सफाई सिस्टम, जी-स्पाइडर (एसपीआईडीईआर) रोबोट को पेश किया है।

यह रोबोट जमा हुए कचरे का पता लगाने, उसका आकलन करने और उसे हटाने के लिए मशीन विजन और सेंसर इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करता है। यह अलग-अलग तरह के कचरे, पानी के बहाव की स्थितियों और बनावट से जुड़ी चुनौतियों के हिसाब से रियल-टाइम में खुद को ढाल लेता है। इसके 'फाइव-डिग्री-ऑफ-फ्रीडम' मैकेनिज्म में मिले-जुले और अनियमित आकार के कचरे को उठाने के लिए बायोमिमेटिक पंजे का इस्तेमाल किया जाता है। निकाले गए कचरे को सीधे तय कलेक्शन गाड़ियों में डाल दिया जाता है।

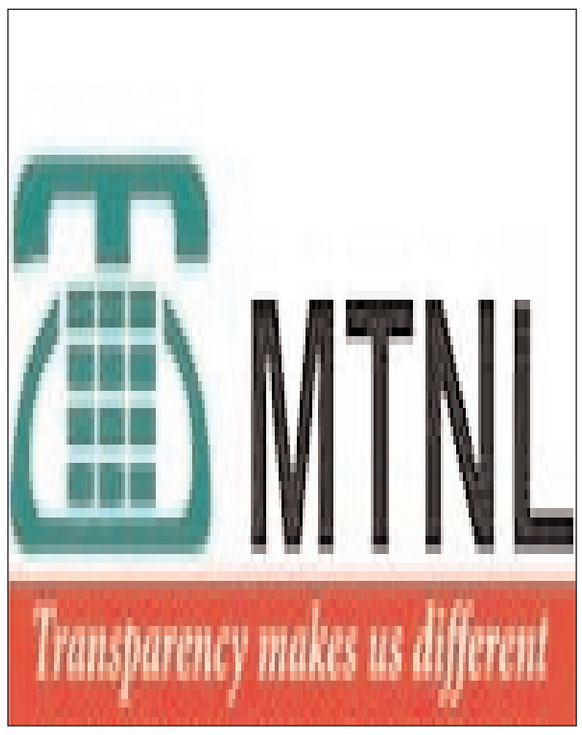
जी-स्पाइडर जहरीली गैसों, दूषित पानी और खतरनाक कचरे के सीधे संपर्क को कम करके कर्मचारियों की सुरक्षा को बेहतर बनाता है। यह पानी के ऊंचे स्तर और लगातार बहाव की स्थितियों में भी काम कर सकता है, जिससे नहर की सफाई का काम तय समय पर और व्यवस्थित तरीके से हो पाता है।

गुंटूर शहर में, 200 से ज्यादा इलेक्ट्रिक ऑटो ने शहर भर में घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने के काम को ज्यादा साफ-सुथरा बना दिया है। हर गाड़ी में जीपीएस ट्रैकिंग लगी है, जिससे कचरा इकट्ठा करने के काम की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सकती है। इस पहल से हर साल 71,000 लीटर से ज्यादा डीजल की जरूरत खत्म हो गई है और अनुमान है कि इससे एक दशक में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 21,000 टन की कमी आएगी।

बयान में कहा गया है कि 2 अक्टूबर 2014 को शुरू हुआ स्वच्छ भारत मिशन अब डिजिटल, सेंसर-बेस्ड और इलेक्ट्रिक शहरी साफ-सफाई व्यवस्था में बदल गया है।

तमिलनाडु में ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने के लिए सभी 15 जोन में 5,478 बैटरी से चलने वाले ई-रिक्शा तैनात किए हैं। ये गाड़ियां रोजाना लगभग 40 किलोमीटर चलती हैं और डीजल से चलने वाली कचरा इकट्ठा करने वाली गाड़ियों की जगह ले रही हैं।

एमटीएनएल के बोर्ड ने पवई की संपत्ति आयकर विभाग को 891.53 करोड़ रुपए में बेचने को दी मंजूरी



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) ने गुरुवार को कहा कि उसके बोर्ड ने मुंबई के पवई स्थित अपनी संपत्ति को आयकर विभाग को 891.53 करोड़ रुपए में बेचने की मंजूरी दे दी है।

एमटीएनएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह संपत्ति प्लॉट-सी, टेक्नोलॉजी स्ट्रीट, पवई में स्थित है और इसका कुल भूमि क्षेत्र 20,895.60 वर्ग मीटर है।

कंपनी ने कहा कि इस संपत्ति की बिक्री सरकार-से-सरकार (जी2जी) हस्तांतरण या सीधे बिक्री के जरिए की जाएगी।

दूरसंचार कंपनी के अनुसार, यह लेनदेन आयकर विभाग की औपचारिक स्वीकृति के अधीन है और इसे राष्ट्रपति एवं अल्टरनेटिव मैकेनिज्म (एएम) की मंजूरी के आधार पर किया जा रहा है।

प्रस्तावित बिक्री एमटीएनएल के गैर-मुख्य परिसंपत्तियों का मौद्रीकरण करने के प्रयासों का हिस्सा है। यह बिक्री ऐसे समय पर की जा रही है, जब सरकारी दूरसंचार कंपनी लगातार वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रही है।

इसके अलावा, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जुलाई में कहा था कि वित्त वर्ष 2025-26 में एमटीएनएल की कुल देनदारियां करीब 40,008.52 करोड़ रुपए थीं, जबकि उसकी गैर-मुख्य परिसंपत्तियों का मूल्य करीब 50,000 करोड़ रुपए था।

सरकार ने कंपनी को अपनी देनदारियां पूरी करने में मदद के लिए परिसंपत्ति मौद्रीकरण को एक उपाय के रूप में चिन्हित किया है।

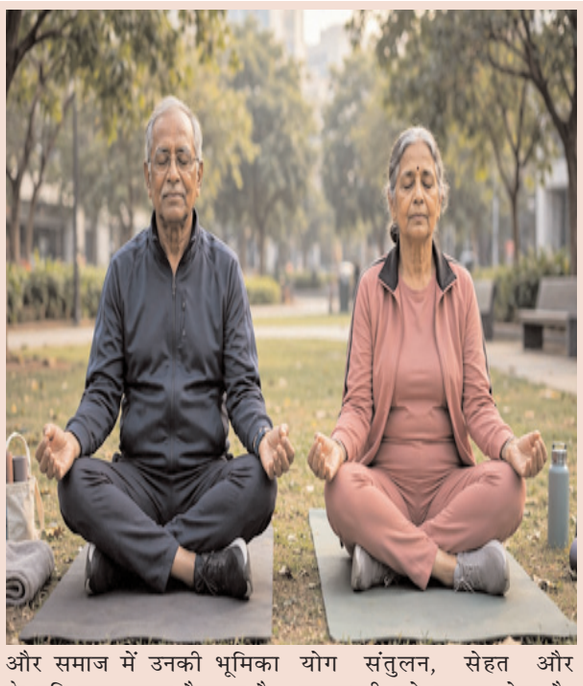
जुलाई में लोकसभा में लिखित जवाब में मंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, एमटीएनएल का घाटा वित्त वर्ष 2021-22 के 2,616 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 3,101 करोड़ रुपए हो गया।

उनके अनुसार, कंपनी की कुल आय वित्त वर्ष 2021-22 के 1,696 करोड़ रुपए से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 1,469 करोड़ रुपए रह गई।

इस खबर के बाद एमटीएनएल के शेयरों में तेजी देखी गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर एमटीएनएल का शेयर दोपहर 1:15 बजे 9.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 25.18 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 26.94 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ।

बुजुर्गों के लिए योग है संजीवनी, आयुष मंत्रालय ने गिनाए नियमित अभ्यास के फायदे

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बुजुर्गों के लिए स्वस्थ और गरिमापूर्ण जीवन पर जोर दिया है। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर बताया कि उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन योग, संतुलित आहार और सही देखभाल से इसे बेहतर बनाया जा सकता है।

मंत्रालय ने अपने पोस्ट में कहा, 'उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक बदलाव आते हैं। योग, संतुलित आहार, सही आराम और देखभाल से बुजुर्ग अपनी सेहत, आत्मनिर्भरता और खुशहाली बनाए रख सकते हैं।'

हर साल 1 अक्टूबर को बुजुर्गों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बुजुर्गों के अधिकारों, उनकी देखभाल और समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाना है। आयुष मंत्रालय ने इस मौके पर योग को स्वस्थ एजिंग का सबसे बड़ा आधार बताया है।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई बदलाव आते हैं। ऐसे में योग संतुलन, सेहत और खुशहाली को बढ़ावा देता है। मंत्रालय ने अपील की है कि बुजुर्ग योग से खुद को फिट रखें। हल्की-फुल्की गतिविधियां भी स्वस्थ रूप से उम्र बढ़ने में मदद करती हैं।

मंत्रालय ने बताया कि नियमित योग अभ्यास से कई फायदे हो सकते हैं। इससे लचीलापन और संतुलन में सुधार होता है।

यह शारीरिक आत्मनिर्भरता बनाए रखने में मदद करता है और ताकत व चलने-फिरने की क्षमता को बढ़ावा देता है। बुजुर्गों के लिए यह बेहद जरूरी है कि अपने रोजमर्रा के काम खुद कर सकें।

शरीर और मन को पोषण देना भी उतना ही जरूरी है। पौष्टिक भोजन, संतुलित मात्रा में खाना और शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखने से ताकत बनी रहती है। इससे स्वस्थ रूप से उम्र बढ़ने में मदद मिलती है और पोषण की कमी से बचाव होता है।

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि सेहत समग्र होती है। योग केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक खुशहाली में भी मदद करता है।

करौंदा : कम देखभाल में पनपने वाला पौधा, स्वाद के साथ सेहत के लिए भी उपयोगी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। करौंदा (कैरिसा कैरंडास) एक छोटा, कांटेदार और बहुत ही उपयोगी पौधा है। यह स्वाद में खट्टा होने के साथ ही सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी खूबियों के बारे में जानकारी साझा की है।



करौंदे का पौधा आमतौर पर करीब 8 से 12 फीट तक ऊंचा हो सकता है। इसकी सबसे खास पहचान इसकी मजबूत कांटेदार शाखाएं हैं। पौधे की पत्तियां छोटी, मोटी और एक-दूसरे के विपरीत दिशा में लगी होती हैं। इसे खेतों, बगीचों और घरों के आसपास सुरक्षा के लिहाज से भी लगाया जाता है।

करौंदे में छोटे और सुगंधित सफेद फूल खिलते हैं, जो देखने में काफी सुंदर लगते हैं। इसमें फूलों के बाद छोटे फल लगते हैं। शुरुआत में ये फल हरे रंग के होते हैं, लेकिन पकने के साथ इनका रंग लाल से लेकर बैंगनी-काला तक हो जाता है। पकने के बाद करौंदे का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है।

करौंदा भारतीय रसोई में भी अपनी अलग जगह रखता है। इसके फलों से स्वादिष्ट अचार, जैम और जेली बनाई जाती है। कई जगहों पर इसे सब्जियों और अलग-अलग पारंपरिक व्यंजनों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसका खट्टा और हल्का कसैला स्वाद खाने का जायका बढ़ा देता है। इसे कुछ लोग पकने पर ताजा भी खाते हैं।

वहीं, पोषण की बात करें तो करौंदे के फलों में आयरन और विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

इसलिए इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाना फायदेमंद हो सकता है।

आप इसे अचार, सब्जी, चटनी या किसी भी अन्य तरीके से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

करौंदे की एक और खासियत यह है कि इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती और यह आसानी से पनप सकता है। इसकी कांटेदार संरचना इसे प्राकृतिक बाड़ के लिए उपयोगी बनाती है।

तनाव और थकान से हैं परेशान? रोज करें पश्चिमोत्तानासन, मन रहेगा शांत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखना बहुत जरूरी है। ऐसे में नियमित रूप से योगासन और संतुलित आहार बेहद जरूरी है। योग के विभिन्न आसनों में पश्चिमोत्तानासन एक बहुत ही फायदेमंद आसन माना जाता है। इसके नियमित रूप से करने से न सिर्फ शरीर में लचीलापन आता है बल्कि पाचन भी बेहतर होता है।

संस्कृत में 'पश्चिम' का अर्थ शरीर का 'पिछला हिस्सा' (पीठ) और 'उत्तान' का अर्थ 'खिंचाव' होता है। इस आसन में बैठकर आगे की ओर झुकते हुए पूरी पीठ और पैरों की मांसपेशियों को खींचा जाता है।

इस आसन में हम बैठकर आगे की ओर झुकते हैं, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी, पेट के अंग और नसों पर सकारात्मक असर पड़ता है। यह आसन हठ योग के 12 मूल आसनों में गिना जाता है। 'हठयोग प्रदीपिका' में पश्चिमोत्तानासन का विशेष रूप से वर्णन किया गया है और इसे बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। हठयोग प्रदीपिका के अनुसार, यह आसन शरीर में प्राण वायु (ऊर्जा) को 'सुषुम्ना नाड़ी' में प्रवाहित करने में मदद करता है और जठराग्नि (पाचन शक्ति) को तीव्र करता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार पश्चिमोत्तानासन (बैठकर आगे झुकने वाला आसन) रीढ़ की हड्डी, पाचन तंत्र और मानसिक शांति के लिए एक बेहद लाभदायक योगासन है। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास से श्वसन क्षमता में सुधार होता है, जिससे फेफड़े मजबूत होते हैं। खासतौर पर मधुमेह रोगियों के लिए यह आसन बहुत फायदेमंद माना जाता है क्योंकि यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही, लिवर और किडनी से जुड़ी समस्याओं में भी यह लाभकारी है।

मासिक धर्म संबंधी विकारों से राहत दिलाने में पश्चिमोत्तानासन काफी असरदार है। यह पेट के निचले हिस्से में रक्त संचार को बेहतर बनाता है और दर्द को कम करने में मदद करता है।

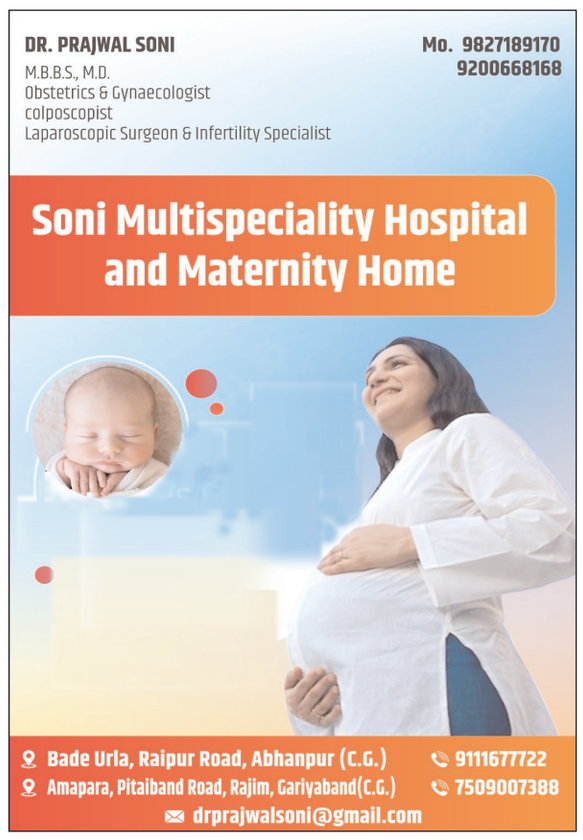
राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस : जेपी नड्डा समेत भाजपा नेताओं ने रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सराहा

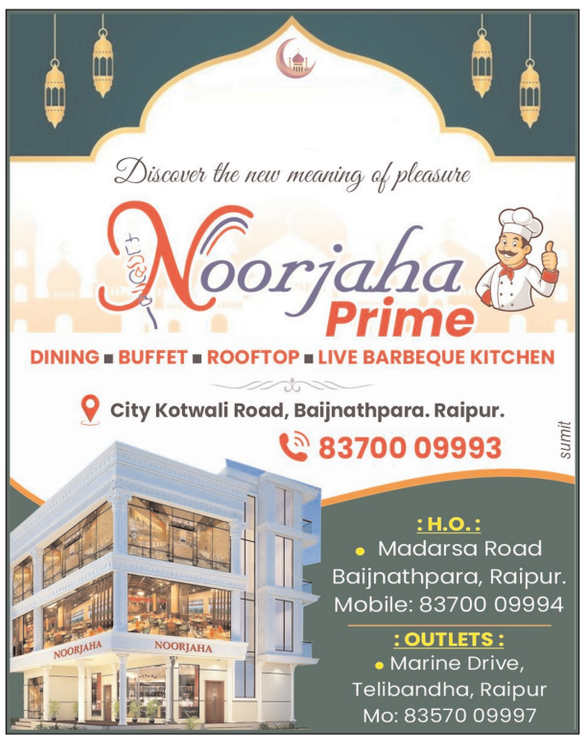
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रक्तदान मानवता, एकजुटता और सेवा का सबसे सरल और सबसे बड़ा कार्य है। इसी भावना को सम्मान देने के लिए आज देशभर में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत भाजपा नेताओं ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सलाम किया, जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की जान बचाने के लिए आगे आते हैं। साथ ही, अन्य लोगों से भी रक्तदान करने की अपील की।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 2026 पर आइए हम स्वैच्छिक रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सराहें और स्वैच्छिक, बिना किसी पारिश्रमिक के रक्तदान के माध्यम से सुरक्षित, पर्याप्त और टिकाऊ रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का विषय, 'मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।' स्वैच्छिक रक्तदान के पीछे की मानवीय भावना को रेखांकित करता है और योग्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को आगे आने और नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को सामुदायिक भागीदारी का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने अपने संदेश में सभी से अपील की है कि हम सब मिलकर स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना जारी रखें और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त और रक्त घटकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की सामूहिक कोशिशों को और मजबूत करें।











यमुना को साफ रखना सरकार और नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी: सीएम रेखा गुप्ता

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने गुरुवार को 'स्वच्छ यमुना प्रहरी अभियान' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जोर देकर कहा कि नदी को साफ रखना प्रशासन और नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है।



मुख्यमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर स्थित रग्बी ग्राउंड में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा की उपस्थिति में अभियान का उद्घाटन किया।

अभियान की शुरुआत विभिन्न कॉलेजों के छात्रों द्वारा यमुना प्रहरी बनने और नदी की स्वच्छता में योगदान देने की शपथ लेने के साथ हुई।

विधायक सूर्यप्रकाश खत्री, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह और राज्य महासचिव मोहन लाल गिहारा सहित अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

दिल्ली भाजपा के एक बयान के अनुसार यह अभियान दिल्ली सरकार के यमुना को साफ और संरक्षित करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जिसे दिल्ली भाजपा का संगठनात्मक समर्थन प्राप्त है।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने स्वच्छ यमुना प्रहरी ऐप पर पंजीकरण कराया और यमुना को स्वच्छ और सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

दिल्ली सरकार ने 'मेरीयमुना.इन' वेबसाइट भी लॉन्च की है। इस वेबसाइट पर पंजीकरण कराकर दिल्ली निवासी स्वच्छ यमुना प्रहरी बन सकते हैं।

इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल विकास की बातें की हैं, बल्कि देश ने अभूतपूर्व विकास कार्य भी देखे हैं।उन्होंने कहा कि चाहे राष्ट्रीय राजमार्ग हों, रेलवे का विद्युतीकरण हो, ग्रामीण सड़क योजना हो या अन्य कई पहलें, प्रधानमंत्री ने साथ ही साथ विश्व की सबसे पुरानी और समृद्ध संस्कृतियों में से एक, भारत की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ गंगा का अर्थ केवल गंगा नदी को साफ करना नहीं है, बल्कि देश की संस्कृति को समृद्ध करना है।

मल्होत्रा ??ने कहा कि भारत की जीवनदायिनी नदियां हमारी संस्कृति की प्रतीक हैं और सभी नदियों को स्वच्छ और निर्मल होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यमुना नदी उत्तराखंड से निकलने के बाद प्रयागराज में त्रिवेनी संगम तक पहुंचने से पहले हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों से होकर गुजरती है, और रास्ते में इसकी स्थिति बेहद चिंताजनक हो जाती है।

उन्होंने कहा कि यमुना लगभग 33 किलोमीटर तक दिल्ली से होकर बहती है, और इसी समस्या के समाधान के लिए हम सभी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यहां एकत्रित हुए हैं।

मल्होत्रा ??ने कहा कि युवाओं को यह भी समझना चाहिए कि पिछली सरकार ने यमुना को वोट बैंक की राजनीति का मुद्दा बना दिया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 3,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

राष्ट्रपति का आह्वान, विकसित भारत के निर्माण में निभाएं अपनी भूमिका

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों की ओर से उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि विश्व समुदाय द्वारा गांधीजी के जीवन और आदर्शों को बहुत सम्मान दिया जाता है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में अशांति और युद्ध का वातावरण है तथा सभी देशों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी स्थितियों में महात्मा गांधी के शांति और अहिंसा के संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर हमारा देश आगे बढ़ रहा है। विकास की इस यात्रा में संवेदनशीलता और समावेश के मूल्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कोई भी देशवासी विकास के लाभ से वंचित न रहे। यह महात्मा गांधी के 'सर्वोदय' के आदर्श के अनुरूप है, जिसमें सभी के कल्याण और उत्थान की भावना निहित है।

उन्होंने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि आइए, गांधी जयंती के शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि अपने नैतिक आचरण तथा सक्रिय भागीदारी द्वारा आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में हम पूरी निष्ठा से अपना योगदान देंगे।

भारत में 2 अक्टूबर को जहां गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है, वहीं 2007 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित एक प्रस्ताव के बाद दुनियाभर में इसे अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में इस प्रस्ताव को 140 से अधिक देशों ने समर्थन दिया था। इस दोहरे आयोजन की वजह से इस दिन का एक अनूठा महत्व है और इसकी जड़ें भारत की राष्ट्रीय स्मृति में निहित हैं तथा इसे मानवता के एक सार्वभौमिक संदेश के रूप में साझा किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र में यह दिवस महासचिव के वक्तव्यों और गांधीजी के दर्शन को आज की वास्तविकताओं से जोड़ने वाले कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। हाल के वर्षों में, इन संदेशों ने दुनिया भर में चल रहे संघर्षों की ओर इशारा किया है और दुनिया के देशों को यह याद दिलाया है कि सत्य और अहिंसा में गांधीजी का अटूट विश्वास किसी भी हथियार से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'स्वच्छता ही सेवा 2026' के तहत किया श्रमदान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत राजधानी दिल्ली में एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया। यह स्वैच्छिक स्वच्छता अभियान नई दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद मार्ग स्थित कर्तव्य भवन-1 के गेट नंबर 3 के पास आयोजित किया गया।

इस अभियान का नेतृत्व स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने किया। इस मौके पर मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे और उन्होंने पूरे उत्साह के साथ सफाई अभियान में हिस्सा लिया।

अभियान में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक आराधना पटनायक, नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (एनएसीओ) के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक डॉ. राकेश गुप्ता, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (जीडीएचएस) डॉ. लोवनीश जी. कृष्णा सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' कैंपेन की थीम के साथ पूरे जोश और लगन से साफ-सफाई की और सामूहिक प्रयास की भावना को दोहराया। सभी ने हाथों में झाड़ू लेकर परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए डॉ. राजीव बहल ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का काम नहीं है।

रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सीबीआई की दूसरी चार्जशीट दाखिल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) मामले में गुरुवार को मुंबई स्थित विशेष सीबीआई अदालत में दूसरी चार्जशीट दाखिल की। इस चार्जशीट में कुल 11 आरोपियों को नामजद किया गया है, जिनमें अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस एडीए समूह के तीन वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

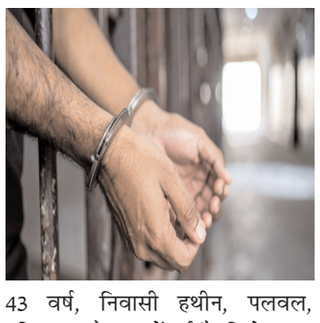
सीबीआई के अनुसार, आरोपियों में आरएचएफएल के निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अमित बापना, रिलायंस कैपिटल समूह के प्रबंध निदेशक एवं उपाध्यक्ष अमिताभ झुनझुनवाला तथा रिलायंस पावर के सीएफओ सुरेश नागराजन शामिल हैं। चार्जशीट में सात कंपनियों के नाम भी शामिल किए गए हैं। इनमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, रिलायंस पावर लिमिटेड, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क लिमिटेड, रिलायंस बिजनेस ब्रॉडकास्ट न्यूज होल्डिंग्स लिमिटेड, रिलायंस मीडियावर्क्स फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और कुंजबिहारी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इसके अलावा आरएचएफएल के चार्टर्ड अकाउंटेंट और वैधानिक ऑडिटर विजय नपावालिया को भी आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई ने इन सभी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, अब तक की जांच में यह सामने आया है कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा उधार लिए गए लगभग 7,429.16 करोड़ रुपए कथित रूप से विभिन्न मध्यवर्ती और फ्रंट कंपनियों के माध्यम से रिलायंस एडीए समूह की अन्य कंपनियों तक पहुंचाए गए। एजेंसी का आरोप है।

कि यह हस्तांतरण ऋणदाताओं द्वारा निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करते हुए किया गया, जिससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों को नुकसान पहुंचा तथा संबंधित संस्थाओं और आरोपियों को अनुचित लाभ मिला।

आठ साल से फरार तीन अपराधी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई में 8 साल से ज्यादा समय से फरार 3 घोषित अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इंस्पेक्टर विनय पाल और इंस्पेक्टर मनोज कुमार की अगुवाई में स्पेशल सेल की एक टीम ने एसीपी आशीष कुमार की देखरेख में दिल्ली के साकेत पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाए एक अपराधी को गिरफ्तार किया। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर (सीपी) ने उसकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपए का इनाम घोषित किया था। साकेत कोर्ट, दिल्ली ने मामले में 2017 में उसे घोषित अपराधी करार दिया था।

आरोपी की पहचान अमजद (उम्र 43 वर्ष, निवासी हथीन, पलवल, हरियाणा) के रूप में हुई है, जिसे वक्फ बोर्ड की मस्जिद, बेगन हेरी, तिजारा, राजस्थान से मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, 31 मई 2013 को स्थानीय पुलिस टीम को दिल्ली के साकेत में मंदिर मार्ग के पास एक मदरसे के अंदर 12 वर्ष का एक लड़का बेहोश हालत में मिला। उसके मुंह और दोनों अंगूठों पर सफेद कपड़े की पट्टियां बंधी हुई थीं। उसके शरीर पर बाहरी चोट का कोई निशान नहीं मिला। एम्स में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला घोंटने से दम घुटना बताया गया। इसके बाद, आईपीसी की धारा 302 के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इस मामले में अमजद को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

और बाद में 4 सितंबर 2015 के आदेश से उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने उसे 9 दिसंबर 2015 से 16 दिसंबर 2015 तक सात दिन की अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने के बाद आरोपी ने सरेंडर नहीं किया और बाद में 30 जनवरी 2017 को दिल्ली की कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया।

मुस्तफा मस्जिद मामला- एमडीए ने पुराना नोटिस वापस लिया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मुरादाबाद के पाकबड़ा क्षेत्र स्थित मुस्तफा मस्जिद के संरक्षण के मामले में जमीयत उलेमा-ए-हिंद को कानूनी राहत मिली है। मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) ने मस्जिद के खिलाफ जारी शो कॉज नोटिस वापस ले लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान प्राधिकरण की ओर से अदालत को बताया गया कि पूर्व में जारी नोटिस अस्पष्ट था, इसलिए उसे वापस ले लिया गया है। अब कानून के अनुसार नया नोटिस जारी किया जाएगा।

यह मामला मुतवल्ली मस्जिद जीशान अहमद फरीद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर किया गया था। अदालत ने प्रतिवादी की ओर से दिए गए बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए रिट याचिका का निपटारा कर दिया।

मुस्तफा मस्जिद के खिलाफ 21 अगस्त 2026 को उत्तर प्रदेश अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट, 1973 की धारा 27(1) के तहत शो कॉज नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस को मस्जिद के मुतवल्ली जीशान अहमद फरीद ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया था कि नोटिस अस्पष्ट है और उसमें कई महत्वपूर्ण कानूनी एवं दस्तावेजी पहलुओं को स्पष्ट नहीं किया गया है।

याचिकाकर्ता ने अदालत से यह भी अनुरोध किया था कि मस्जिद के खिलाफ किसी भी ध्वस्तीकरण या जबरन कार्रवाई को कानून के अनुरूप प्रक्रिया पूरी होने तक रोका जाए।

सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी ने अदालत को बताया कि पूर्व नोटिस अस्पष्ट था, इसलिए उसे वापस ले लिया गया है और अब कानून के अनुसार नया नोटिस जारी किया जाएगा।

अदालत ने इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए रिट याचिका का निपटारा कर दिया। मुस्तफा मस्जिद के मामले में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कानूनी कार्रवाई संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के मार्गदर्शन में जारी है। मस्जिद के संरक्षण के लिए कानूनी कार्रवाई की तैयारी और पैरवी में अधिवक्ता मोहम्मद ताहिर हकीम, अधिवक्ता मोहम्मद निजाम पाशा और जमीयत उलेमा-ए-गुजरात के महासचिव प्रोफेसर निसार अहमद अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संयुक्त युद्ध क्षमता बढ़ाने में एचक्यू आईडीएस की अहम भूमिका, रजत जयंती पर गिनाईं उपलब्धियां

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (एचक्यू आईडीएस) ने गुरुवार को अपनी रजत जयंती मनाई, जिसे 'त्रि-सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह 1 अक्टूबर 2001 को नई दिल्ली में इसकी स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव है।

'संयुक्तता और एकीकरण के माध्यम से भविष्य की तैयारी' विषय पर आयोजित रजत जयंती समारोह के अंतर्गत, आंतरिक रक्षा विभाग मुख्यालय ने 'त्रिशक्ति मंथन' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव जनरल एनएस राजा सुब्रमणि तथा चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीआईएससी) के अध्यक्ष के चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने संबोधित किया।

विचार-विमर्श में संयुक्त परिचालन सिद्धांतों, संयुक्त प्रशिक्षण ढांचों, एकीकृत अभ्यासों और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) तंत्रों के बेहतर समन्वय के माध्यम से परिचालन तैयारियों में आंतरिक रक्षा विभाग मुख्यालय के योगदान पर प्रकाश डाला गया।

संयुक्तता और एकीकरण को मजबूत करने में इसके विशिष्ट योगदान को मान्यता देते हुए मुख्यालय आईडीएस ने रजत जयंती पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें पिछले 25 वर्षों में इसके विकास और उपलब्धियों का विवरण दिया गया है, साथ ही इसकी स्थापना के बाद से प्रमुख उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक फिल्म भी जारी की गई है। संयुक्तता और एकीकरण को मजबूत करने में उनके योगदान के सम्मान में कर्मियों को प्रतिष्ठित सीडीएस यूनिट प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राष्ट्रीय युद्ध स्मारक एवं संग्रहालय में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया।

रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय ने साइबर, अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहित उभरते क्षेत्रों के लिए रक्षा बलों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के अनुरूप स्वदेशी क्षमता विकास को गति देने के लिए अनुसंधान संगठनों, शिक्षाविदों और उद्योग के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया है।

लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क बने उपसेना प्रमुख

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय सेना में वरिष्ठ स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में बदलाव हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क ने भारतीय सेना में उपसेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं सस्टेनेंस) का पदभार संभाला है। गुरुवार को उन्होंने यह महत्वपूर्ण पद व जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल शमशेर सिंह विर्क पश्चिमी मोर्चे पर एक कोर के कमांडर के रूप में अहम जिम्मेदारी निभा रहे थे।

नई नियुक्ति के अंतर्गत लेफ्टिनेंट जनरल विर्क भारतीय सेना की क्षमता विकास और उसे बनाए रखने से जुड़ी पहलों की निगरानी करेंगे। बदलते सुरक्षा माहौल में सेना की सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत और प्रभावी बनाए रखना इस जिम्मेदारी का अहम हिस्सा होगा। इससे एक दिन पहले को भारतीय सेना के कई अधिकारी सेवानिवृत्त हुए।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी। सेना प्रमुख ने राष्ट्र के प्रति उनके निस्वार्थ और समर्पित सेवा भाव की सराहना की। ये अधिकारी बुधवार को अपनी सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हुए। सेना के अनुसार, उनका योगदान केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। अपने अनुभव, मूल्यों और ज्ञान के माध्यम से वे आगे भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

सेना प्रमुख ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के योगदान को भारतीय सेना की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। भारतीय सेना ने भी उनके समर्पण और सेवा को सलाम करते हुए उनके भविष्य के प्रयासों के लिए सफलता की शुभकामनाएं दीं। इस तरह एक ओर भारतीय सेना में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का नया अध्याय शुरू हुआ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415